PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 266 ● भिलाई, शनिवार 02 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

हर बूंद से अधिक उत्पादन की दिशा में बड़ा कदम

बगिया समृद्धि एम-कैड योजना से 13 गांवों में होगी सिंचाई

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के गृह ग्राम बगिया में समृद्धि कमांड क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन आधुनिकीकरण (एम-कैड) योजना के अंतर्गत बगिया दाबित उद्वहन सिंचाई प्रणाली के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बगिया समृद्धि एम-कैड योजना केवल एक सिंचाई परियोजना नहीं, बल्कि हर बूंद से अधिक उत्पादन की सोच का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसके सफल क्रियान्वयन से जशपुर जिला देश के लिए आधुनिक दाबित सिंचाई प्रणाली का मॉडल बनेगा और किसानों को समृद्धि की नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत पारंपरिक नहर प्रणाली के स्थान पर आधुनिक प्रेसराइज्ड पाइप इरिगेशन नेटवर्क विकसित किया जाएगा। भूमिगत पाइपलाइन व्यवस्था से जल का अपव्यय रुकेगा, जल उपयोग दक्षता बढ़ेगी और भूमि अधिग्रहण की समस्या भी नहीं आएगी। अब तक वर्षा पर निर्भर रहने वाले किसानों को इस योजना से वर्षभर सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बगिया समृद्धि एम-कैड योजना न केवल सिंचाई व्यवस्था को आधुनिक बनाएगी, बल्कि कृषि को तकनीक आधारित, टिकाऊ और लाभकारी दिशा में आगे बढ़ाएगी। यह परियोजना जशपुर को

राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल एग्री-इरीगेशन डिस्ट्रिक्ट के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारे अन्नदाताओं को समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना कांसाबेल विकासखंड के बगिया क्लस्टर में मैनी नदी पर बगिया बैराज सह दाबित उद्वहन सिंचाई योजना के माध्यम से लागू की जा रही है। इसके तहत बगिया, उसकुटी, रजोती, सुजीबहार, चोंगरीबहार, बांसबहार, डोकड़ा, सिकरिया, पतराटोली, गहिराडोहर, बोहाबल, नरियरडांड एवं ढुढुडांड सहित 13 गांवों के लगभग 4933 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के 23 राज्यों में स्वीकृत 34 एम-कैड परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ का बगिया क्लस्टर एकमात्र चयनित परियोजना है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा 95.89 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जबकि परियोजना की कुल लागत लगभग 119 करोड़ रुपये है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि यह योजना क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी और किसानों को स्थायी आय का आधार प्रदान करेगी। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने इसे किसानों के लिए आने वाले समय का वरदान बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

फिल्ड पर शालीनता और संवेदनशीलता से पेश आएं

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रशासनिक व्यवस्था को जनकेंद्रित और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से शासकीय अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं कि वे आमजन के साथ शालीनता, धैर्य और सम्मान के साथ व्यवहार करें. उन्होंने दो टूक कहा कि मुख्यालय और फिल्ड स्तर पर शासकीय अधिकारी ही शासन का चेहरा होते हैं, इसलिए उनका आचरण शासन की छवि को प्रभावित करता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सुनना प्रशासनिक अधिकारियों का पहला कर्तव्य है. उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समाधान पर केंद्रित रहें. उन्होंने स्पष्ट किया कि संवाद तभी सार्थक है, जब उसमें संवेदना और समस्याओं का समाधान करने की नीयत हो.उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागों में जनसमस्याओं के निराकरण को प्रभावी, सरल और भरोसेमंद बनाया जाए.

संक्षिप्त समाचार

बुलंदशहर में बर्थडे पर गोलियां बरसाने वाला जीतू एनकाउंटर में ढेर

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में ट्रिपल मर्डर के आरोपी जीतू सोनी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। जीतू सैनी का जन्मदिन मनाने के दौरान विवाद हुआ था, जिसमें 3 युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था और अब मुख्य आरोपी एनकाउंटर में मारा गया है। पुलिस ने जीतू सैनी के ऊपर 50 हजार रुपए का इनाम रखा था। जिम में बर्थडे मनाने के दौरान जीतू सैनी के मुंह पर केक लगाने से विवाद हुआ था, जिसमें तीन युवकों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद मृतकों के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की मांग की थी। बर्थडे ब्वॉय जीतू सैनी ने बर्थ-डे पार्टी में .32 की पिस्टल से युवकों पर गोलियां बरसाकर भाजपा नेता के परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर दी थी। आरोपी जीतू और पुलिस की मुठभेड़ ढाकर रोड पर हुई, जिसमें एसओजी प्रभारी असलम और एक अन्य सिपाही भी घायल हुआ।

गोल्फ कोर्स के तालाब में डूबने से 3 बच्चों की मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका इलाके में स्थित गोल्फ कोर्स में सुबह तीन बच्चों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। शुरुआती जांच में बच्चों के तालाब में डूबने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 7:07 बजे सेक्टर-23 थाने को पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि सेक्टर-24 स्थित गोल्फ कोर्स के एक तालाब में तीन बच्चे डूब गए हैं। सूचना मिलते ही एसएचओ पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अन्य संबंधित एजेंसियों को भी तुरंत अलर्ट किया गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 8 से 10 साल की उम्र के तीन बच्चों को तालाब से बाहर निकाला। जांच के दौरान बच्चों के कपड़े तालाब के किनारे मिले, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वे नहाने के लिए पानी में उतरे थे और हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने बताया कि शुरुआती तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि बच्चे चारदीवारी कूदकर गोल्फ कोर्स में दाखिल हुए थे। फिलहाल तीनों बच्चों की पहचान नहीं हो सकी है और आसपास के इलाकों में गुमशुदगी की कोई रिपोर्ट भी दर्ज नहीं मिली है।

ससुर और साले को दामाद ने गोलियों से भूना

संगरूर। पंजाब के संगरूर जिले के शादीहरी गांव में अपने बेटी के घर घरेलू कलेश का मसला सुलझाने आए बाप-बेटे की उनके दामाद ने गोलियां मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल बन गया है। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद दामाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कार्रवाई आरंभ कर दी। जानकारी अनुसार गांव शादीहरी में डबल मर्डर की घटना बुधवार देर रात सामने आई है, जिससे इलाके में गांव शादीहरी के अमरीक सिंह के बेटे गुरविंदर सिंह ने अपने ससुर लखबीर सिंह व साले जगसीर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी है।

इन शर्तों पर मिली जमानत

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत...!

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है. कोर्ट ने उन्हें सशर्त अग्रिम जमानत दे दी है. हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर बिना ठोस सबूत आरोप लगाने के बाद से लगातार अदालत के चक्कर काट रहे कांग्रेसी नेता को आखिरकार बड़ी राहत मिली. 30 अप्रैल 2026 को हुई सुनवाई के बाद जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है, उसे आसानी से खतरे में नहीं डाला जा सकता. अदालत ने निर्देश दिया है कि क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन केस नंबर 04/2026 में गिरफ्तारी की स्थिति में पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाए.

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली में लद्दाख के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिसमें युवाओं, लोकतांत्रिक अधिकारों और ज़मीन से जुड़े मुद्दों को लेकर उनकी चिंताओं पर चर्चा हुई।

ईरान का बड़ा दावा

पूरी तरह स्वस्थ हैं हमारे सुप्रीम लीडर खामेनेई

ईरान। ईरान की विशेषज्ञ सभा के सदस्य और सर्वोच्च नेता के कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप-प्रमुख अयातुल्ला मोहसेन क़ोमी ने मुजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर फैल रही अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। क़ोमी ने कहा कि ऐसी खबरें पश्चिमी देशों द्वारा प्रतिक्रिया भड़काने और अफवाहें फैलाने के प्रयासों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि नेता के स्वास्थ्य के बारे में पूछे जा रहे सवालों का इस्तेमाल ईरानी अधिकारियों पर सार्वजनिक रूप से जवाब देने का दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, कुछ लोग हमारे सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला सैयद

मुजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य के बारे में पूछते हैं। यह दुश्मन की चाल है। उन्होंने आगे कहा कि इसका उद्देश्य अटकलें पैदा करना और अधिकारियों को जवाब देने के लिए मजबूर करना है। क़ोमी ने यह भी कहा कि ईरानी अधिकारी सुप्रीम लीडर के जीवन की रक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

पंजाब विधानसभा में हंगामा

सीएम का सदन में शराब पीकर आने से कांग्रेस का वाकआउट

चंडीगढ़/ एजेंसी

मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में पंजाब सरकार आज मजदूरों को समर्पित विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया। नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि नियमित सत्र बुलाया जाना चाहिए। हर बार विशेष सत्र बुला लिया जाता है लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकलता है। अब तक आठ सत्र हो चुके हैं। न तो प्रश्नकाल रखा गया है और न ही शून्यकाल दिया जा रहा है। विधायकों को बात रखने का समय नहीं मिल रहा है, क्योंकि कई मुद्दे हैं। सीएम भगवंत मान ने कहा कि विशेष सत्र पर सवाल

उठाना गलत है। पिछले सत्र के दौरान बेअदबी के खिलाफ प्रस्ताव पास किया था जो राज्यपाल की मंजूरी के बाद लागू हो गया। जब कांग्रेस इस पर एतराज जाता रही थी कि राष्ट्रपति को भेजना पड़ेगा। मानसून सत्र के दौरान पूरा टाइम देंगे, जितना समय चाहिए होगा तो आपको उस विधानसभा सत्र के दौरान देंगे। कांग्रेस विधायक खैरा के मोबाइल इस्तेमाल करने पर सीएम मान ने एतराज जताया है। मान ने कहा कि मई दिवस पर प्रस्ताव पेश किया जा रहा है और यह मोबाइल से लगे हुए हैं। इस लेकर हंगामा हुआ। खैरा ने बात रखने इजाजत मांगी। इस पार हरपाल चीमा ने कहा कि इनका हमेशा व्यवहार सदन में ठीक नहीं रहा है। यह सदन में सही रूप से बैठते नहीं हैं। इनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि सीएम शराब पीकर सदन में आए हैं, जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया।

चलती कार बनी आग का गोला, 5 लोग जिंदा जले

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में स्थित लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर देर रात एक भीषण हादसा हो गया। मौजपुर के पास रात करीब 1 बजे दिल्ली से कोटा जा रही एक कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन कुछ ही मिनटों में आग का गोला बन गया। इस हादसे में कार में सवार 5 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में मध्य प्रदेश के श्योपुर निवासी तीन महिलाएं, एक बच्ची और एक पुरुष शामिल हैं। हादसा एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर 115/300 के पास हुआ। कार चालक विनोद कुमार मेहर ने किसी तरह गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई।

गौ प्रतिष्ठा पर शंकराचार्य ने वाराणसी में भरी हुंकार

किसी सरकार ने नहीं किया सनातन भावना का सम्मान

नई दिल्ली/ एजेंसी

जगदगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने आज शाम श्रीविद्यामठ में आयोजित एक समारोह में गौप्रहरी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया। बता दें कि गौ माता को राष्ट्रमाता एवं राज्यमाता का दर्जा दिलाने सहित भारत से गोकशी बंद कराकर गौमाता के संरक्षण हेतु जनजागरण करने के उद्देश्य से श्रीगुरुकुलम न्यास द्वारा गौ प्रहरी प्रतियोगिता का वाराणसी जिले के विद्यालयों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

प्रतियोगिता में कक्षा 3 से लेकर कक्षा 12 तक के छात्र एवं छात्राएं सम्मिलित हुए थे। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए शंकराचार्य महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में गौमाता को एक पशु के रूप में नही बल्कि धर्म,संस्कृति और सृष्टि की पोषिका व आधारशिला के रूप में देखा गया है। आगे उन्होंने कहा कि अगर देखा जाय तो भारत की आजादी के आन्दोलन का सूत्रपात गौ माता के संरक्षण और उनके प्रति सम्मान की भावना के कारण हुआ। हम सनातनियों का दुर्भाग्य ही है, कि आजादी मिलने के बाद भी किसी सरकार ने सनातनियों की भावना का सम्मान नहीं किया। आज बहुसंख्यक सनातनियों के देश में उनकी ही गौ माता की हत्या हो रहा है।आज हमारा देश गौ मांस निर्यात में विश्व में दूसरे नम्बर से पहले नंबर की ओर अग्रसर होचुका हैं। आज की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था ने भी हमें हमारे धर्म और संस्कृति से दूर कर दिया।

तीन महीनों में तीन बार की गई बढ़ोत्तरी

एकमुश्त 993 रुपये बढ़ गए एलपीजी सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली/ एजेंसी

तेल कंपनियों ने आज कॉमर्शियल सिलेंडर के दामों में भारी बढ़ोत्तरी कर दी है। देश के सभी हिस्सों में ये सिलेंडर अब तीन हजार रुपये से भी अधिक भाव में मिलेगा। सरकार ने मामले में स्पष्टीकरण दिया है। शुक्रवार को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 रुपए का इजाफा किया गया है। इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में इजाफा होना है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़कर 3,071.5 रुपए हो गई है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए राहत जारी रहेगी, क्योंकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को स्थिर रखा गया है। सरकारी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने बयान में कहा कि देश में मौजूद 33 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में यह तीसरी वृद्धि हुई है। पहली बार मार्च की शुरुआत में इसकी कीमत में लगभग 115 रुपए की वृद्धि की गई थी, जिसके बाद 1 अप्रैल को कीमतों को लगभग 200 रुपए और बढ़ाया गया। बयान में आगे आईओसीएल ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित हैं। कंपनी ने यह भी कहा

कि प्रमुख ईंधनों की कीमतों में कोई संशोधन नहीं किया गया है जिसका आम जनता पर सीधा असर होता है। घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। आईओसीएल के अनुसार, सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक ईंधन लागत में वृद्धि को वहन करने का विकल्प चुना ताकि एयरलाइनों और यात्रियों को नुकसान से बचाया जा सके। अतिरिक्त शुल्क की दरों में हर पखवाड़े संशोधन किया जाता है और पिछला संशोधन 11 अप्रैल, 2026 से प्रभावी हुआ था। ये दरें पिछली समीक्षा के बाद की अवधि में प्रचलित कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की औसत अंतरराष्ट्रीय कीमतों के आधार पर निर्धारित की जाती हैं। केंद्र सरकार ने आज 1 मई, 2026 से शुरू होने वाले अगले पखवाड़े के लिए दरें अधिसूचित कर दी हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा,परिणामस्वरूप, डीजल के निर्यात पर शुल्क की दर 23 रुपए प्रति लीटर (एसएईडी 23 रुपए; आरआईसी शून्य) होगी। इसके अलावा, एटीएफ के निर्यात पर शुल्क की दर 33 रुपए प्रति लीटर (केवल एसएईडी) होगी। पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क की दर शून्य बनी रहेगी। मंत्रालय ने आगे कहा कि घरेलू खपत के लिए स्वीकृत पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा उत्पाद शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

राहुल गांधी बोले यह चुनाव का बिल है

मई के पहले दिन महंगाई बम फूटा है। पश्चिम बंगाल-असम समेत 5 राज?यों में विधानसभा चुनाव खत?म होते ही तेल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी की है। ये बढ़ोतरी 19 किलो के साथ ही 5 किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड सिलेंडरों में भी की गई। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 993 रुपये की बढ़ोतरी की है। कमर्शियल सिलेंडर के दाम में हुई बढ़ोतरी को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनाव का बिल है। पहले गैस अगली स्ट्राइक पेट्रोल-डीजल पर होगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि- मैंने कहा था महंगाई की आंच चुनाव के बाद आएगी। आज कमर्शियल गैस सिलेंडर ?993 महंगा है। एक दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी। यह चुनाव का बिल है।

रामपुर, सोरिद वार्ड में नाला सफाई अभियान जारी, जल निकासी हुई सुचारु

धमतरी। शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यकर बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम धमतरी के स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर सफाई अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में रामपुर वार्ड के बाबा डबरी क्षेत्र तथा सोरिद वार्ड में नटराज ट्रैक्टर के पीछे स्थित नालों की विशेष सफाई कराई गई। लंबे समय से नालों में जमा कचरा, प्लास्टिक, गाद एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों के कारण जल निकासी बाधित हो रही थी, जिससे आसपास के क्षेत्रों में गंदगी और जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही थी। निगम के सफाई अमले ने मौके पर पहुंचकर नालों की गहन सफाई करते हुए सभी अवरोधों को हटाया जिससे जल निकासी व्यवस्था पुनः सुचारु हो गई। इस कार्रवाई से क्षेत्र में स्वच्छता में सुधार के साथ ही मच्छरों और संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी कम हुई है। स्थानीय निवासियों ने निगम की इस पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। सफाई अभियान के दौरान निगम कर्मचारियों ने नागरिकों को जागरूक करते हुए अपील की कि वे घरों का कचरा नालों में न डालें और निर्धारित स्थानों पर ही कचरा निष्पादन करें। उन्होंने बताया कि नालों में कचरा डालने से जलभराव की समस्या बढ़ती है और बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। सभापति कौशिल्या देवांगन ने कहा कि नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा यह सफाई अभियान शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि नालों की नियमित सफाई से न केवल जल निकासी सुचारु होती है, बल्कि गंदगी, दुर्गंध और बीमारियों के खतरे को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे नालों में कचरा न डालें और स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें। जनभागीदारी से ही शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाया जा सकता है।

देवार समाज की महिला सरपंच निकिता अक्षय भारती ने केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा का विकास कार्य के लिए जताया आभार

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिला के इतिहास में नगर के समीप के सबसे बड़ी ग्राम पंचायत रवान अंबुजा सीमेंट के मतदाताओं ने बड़े-बड़े धुरंधर के सामने देवार समाज की महिला प्रत्याशी निकिता अक्षय भारती को पूर्ण बहुमत से ग्राम पंचायत रवान का सरपंच बनाया जनता ने जिस विश्वास के साथ अपने मत का मतदान किया उसी तरह निकिता भारती विकास की गंगा बहाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही विकास के साथ-साथ गांव के प्रत्येक समाज को प्रत्येक सामाजिक व्यक्तियों को सम्मान गांव की व्यवस्था में अपनी सहभागिता निभा रही है पंचायत चुनाव हुए लगभग 14 माह हो चुका है और उस 14 माह की विकास कार्य के बारे में हमने जानकारी चाहा तो निकिता भारती ने बताया कि मंत्री टंक राम वर्मा जी के आशीर्वाद से महतारी सदन 24 लाख, प्रार्थना शेड निर्माण शासकीय हाई स्कूल 15 लाख पूर्ण-प्रार्थना शेड निर्माण पूर्व माध्यमिक शाला 12 लाख, खाद्यान्न सोसायटी भवन 10 लाख पूर्ण, रंगमंच निर्माण वार्ड 3 3.50 लाख पूर्ण, रंगमंच निर्माण वार्ड9 3.50 लाख पूर्ण, रंगमंच निर्माण वार्ड 20.5 लाख पूर्ण, सीएससी सेंटर निर्माण 5 लाख पूर्ण कार्य हो चुका है, जिसमें महतारी सदन पूर्व माध्यमिक शाला शेड निर्माण पूर्णता की ओर है। कुल राशि 78 लाख, साथ ही जिला पंचायत सदस्य गीता डोमन वर्मा के द्वारा आहता निर्माण के लिए 2 लाख राशि दी गई है जो पूर्ण हो चुका है।

जनपद सदस्य शीतल वर्मा के द्वारा खाद्यान भवन के पास सी सी निर्माण 2 लाख पूर्ण मुक्तिधाम शेड निर्माण 5 लाख कार्य जारी। इसके अतिरिक्त सीएसआर अंबुजा फाउंडेशन के द्वारा सीसी रोड निर्माण गंगई तालाब से नेतराम के ब्यारा की ओर। गोविंद वर्मा के घर से जगदीश वर्मा के घर की ओर, मेन रोड से छेदु वर्मा के घर की ओर, पुनीत यादव के घर से आंगनबाड़ी की ओर कुल राशि 6.60 हजार पूर्ण, बंधवा तालाब में मुक्तिधाम शेड निर्माण 5 लाख, डोंगिया तालाब में सौंदर्यकरण आँगनबाड़ी केंद्र शीतला पारा प्योर ब्लॉक कुल 4 लाख जारी, डोंगिया तालाब में किसानों के निस्तारी के लिए दोन्द नाली निर्माण पूर्ण, आहाता निर्माण सतनामी मेहर समाज मुक्तिधाम 4 लाख पूर्ण, किसानों कि निस्तारी पानी के लिए नाला पथो उपचार कार्य जारी 9 लाख कार्य जारी, मनरेगा से नाली निर्माण रविशंकर वर्मा के घर से परदेशी कोतवाल के खेत कि ओर 5 लाख पूर्ण, मनरेगा मजदूरी में प्रत्येक दिन 120 मजदूरों का लगातार कार्य जारी जिसमे विभिन्न कार्यों को कराया जा रहा है। कुल राशि 1 करोड़ 20 लाख 60 हजार इन सभी कार्यों के लिए क्षेत्रीय विधायक कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, जिला पंचायत सदस्य सभापति गीता डोमन वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष सुमन वर्मा, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनीता वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष रविशंकर वर्मा, जनपद सदस्य शीतल वर्मा के प्रति जताया आभार।

10वीं बोर्ड मे मृदुल पुरोहित ने 91 प्रतिशत अंक हासिल किया

भाटापारा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम में मयुर शिशु मंदिर की छात्रा साक्षी वर्मा ने 77 प्रतिशत अंक के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने पिता सुरेश वर्मा सहित ग्राम परसवानी व स्कूल का नाम रोशन किया है। इसी प्रकार 12वीं बोर्ड की परीक्षा में ग्राम सिंगारपुर स्कुल की छात्रा काजल वर्मा पिता गयाराम वर्मा निवासी कड़ार ने 83.8 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर सिंगारपुर स्कूल कड़ार गांव एवं अपने परिवार का नाम रोशन किया है। इसी प्रकार 10वीं बोर्ड परीक्षा में मृदुल पुरोहित पिता प्रकाश पुरोहित निवासी राम सप्ताह चौक ने 91 प्रतिशत अंक के साथ बोर्ड परीक्षा प्राप्त कर स्कूल परिवार व शहर को गौरान्वित किया है। उपरोक्त सभी उत्तीण छात्र-छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएं दिये।

जिला ग्रंथालय स्टाफ ने मनाया महापौर का जन्मदिन

धमतरी। जिला ग्रन्थालय के स्टाफ और युवाओं ने अपने महापौर रामू रोहरा का जन्मदिन बहुत धूमधाम से मनाया। धमतरी जिले के जिला ग्रन्थालय में महापौर रामू रोहरा का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिले के सभी स्टाफ सदस्यों, बच्चों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने महापौर रोहरा को बधाई दी और उनके योगदान को सराहा। महापौर रामू रोहरा के नेतृत्व में धमतरी में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए हैं, जो शहर के समग्र विकास में सहायक रहे हैं। इस अवसर पर महापौर के कार्यों की सराहना की गई और उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रयासों की चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे जिला ग्रन्थालय के सभी स्टाफ, सदस्य, बच्चे और पार्टी कार्यकर्ताओं ने महापौर रोहरा की दीर्घायु और समृद्ध जीवन की कामना की। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने महापौर की नीतियों और उनकी दूरदृष्टि के प्रति आभार व्यक्त किया। महापौर रामू रोहरा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व का अवसर है कि वे इस समुदाय की सेवा करने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया और भविष्य में भी जनता की सेवा में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। जिला ग्रन्थालय से दीपक सिंह ठाकुर ने सभी स्टाफ की तरफ से पार्किंग की समस्या, सीसी टीवी कैमरा, शेड निर्माण एवं कैंटीन की व्यवस्था हेतु महापौर के समक्ष निवेदन किया उस पर माननीय महापौर जी ने सभी विषयों पर घोषणा करते हुए तत्काल सभी कार्यों को संपादित करने हेतु आश्वासन दिया और सभी बच्चों को खूब पढ़ने और तरक्की करने हेतु मार्गदर्शन दिया और यह भी कहा कि बहुत जल्द ही नालंदा परिसर की स्थापना भी की जाएगी। सभी स्टाफ के लोगों का हालचाल लेते हुए सबकी समस्याओं को भी सुलझाया और सभी स्टाफ के लोगों ने महापौर को धन्यवाद दिया। बच्चों के लिए जूस और मिठाइयों की व्यवस्था भी महापौर महोदय द्वारा की गई जिसके लिए सारे बच्चे अपने मुखिया को देख बहुत अधिक प्रसन्न हुए और जमकर सेल्फी ली। कार्यक्रम में ग्रन्थालय से दीपक सिंह ठाकुर, डिमेंद्र साहू, हरि किशन साहू, उत्तरा गौतम, रोहन गंजीर, ग्रन्थालय विकास समिति के अध्यक्ष तोमेश देवांगन, कुमारी रश्मि साहू उपस्थित थे। महापौर रामू रोहरा को बधाई देने वालों में पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता आए हुए थे जिनमें मंडल अध्यक्ष पवन गजपाल, गोपाल साहू, शुभम केशवानी, अविनाश दुबे, गौरव मगर, वेद प्रकाश साहू, उनकी टीम के साथ अनेकों पार्षदगण, श्रीमती सुशीला तिवारी एवं अनेकों महिला नेत्रियां भी उपस्थित रहे।

भूपेश बघेल की लोकप्रियता से भाजपा सरकार घबराती है : सुशील शर्मा

भाटापारा। प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि एवं पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने विगत दिनों सोशल मीडिया में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विरुद्ध एआई जनरेटेड वाइरल वीडियो को भाजपा सरकार की घृणित साजिश करार देते हुये कहा की पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बढ़ती लोकप्रियता और भाजपा सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ उनके द्वारा जनहित में उठाये गये मुद्दों से घबराकर भूपेश बघेल की छवि को खराब करने का प्रयास किया जा रहा है, भूपेश बघेल के द्वारा लगातार केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ मुखर होकर जनता के साथ मिलकर सड़क की लड़ाई लड़ी जा रही है और सरकार की गलत नीतियों से होने वाले नुकसान की पूरी जानकारी देकर सत्तासीनों के मठाधीशों द्वारा किये जा रहे घोटालों को उजागर भी किया जा रहा है, भूपेश बघेल की आक्रामक छवि के चलते जनता जनार्दन उन्हें देखने और सुनने भारी तादात में आने लगे है इसी बढ़ती लोकप्रियता के कारण भाजपा सरकार के नाक के नीचे रहकर अपनी दाल रोटी चलाने वालो ने भूपेश बघेल को बदनाम करने एआई जनरेटेड वीडियो वाइरल किया है, जिसकी हम निंदा करते है। सरकार तत्काल संज्ञान में लेकर एआई के दुरुपयोग करने वालो के खिलाफ कठोर कार्यवाही करे अन्यथा अन्याय के प्रतिकार को सहने के लिये तैयार रहे। सुशील शर्मा ने कहा की सर्वविदित है भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस शासन काल के समय छत्तीसगढ़ की जनता जनार्दन के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई गई थी और पूरे पाँच वर्षो तक राज्य के सभी वर्गों के लोगो को ध्यान में रखकर कार्य किया गया था,जिसके कारण प्रदेश में जनता को-हर हाथ को काम और हर खेत को पानी मिल रहा था,आज भी प्रदेश की जनता भूपेश बघेल को चाहती है।

सन् 2023 के विधान सभा चुनाव में भाजपा झूठे वादों का प्रलोभन देकर सत्ता में आई है लेकिन अपने द्वारा जनता से किये वादों को पूरा तक नहीं करवा पा रही है अपनी ढपली अपना राग की कहावत को चरितार्थ करते भाजपा सरकार चलती का नाम गाड़ी की तरह रो-धोकर सरकार चला रही है। प्रदेश में मंहगाई चरम सीमा पर विद्यमान होती जा रही है अब प्रदेश में घरेलू बिजली, घरेलू गैस सिलेंडर, डीजल और पेट्रोल की कीमत लगातार बढ़ती ही जा रही है। इस मंहगाई को रोकने सरकार कोई भी कारगर कदम नहीं उठा रही है,और भाजपा सरकार के मंत्री और नेता मौन धारण किये बैठे है। पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने कहा की भाजपा सरकार के खिलाफ बोलने और आंदोलन करने पर सरकार निम्न ईस्टर की राजनीति करने से नहीं चूक रही है समाज में वेमनस्य फैलाने और राजनीतिक वातावरण को विषाक्त करने की घृणित मानसिकता से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ एआई जनरेटेड वीडियो सोशल मीडिया में वाइरल किया गया है ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्यवाही होनी चाहिये, अन्यथा जनता जनार्दन अपने नेता भूपेश बघेल के समर्थन में सड़क की लड़ाई लड़ने को तैयार रहेगी और विरोधियों के हर गलत आरोप का मुँहतोड़ जवाब समय आने पर अवश्य देगी।

ओंकार पर लग रहा निष्क्रियता का आरोप माना जा रहा सबसे कमजोर विधायक

धमतरी। जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने अपने स्तर पर सघन जनसंपर्क अभियान चलाकर अपने अपने क्षेत्रों के मतदाताओं की मांगों को पूरा करने के लिये एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। लेकिन बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि धमतरी विस क्षेत्र के विधायक, चुनाव जीतने के बाद विस क्षेत्र में निवासरत लोगों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं हैं। ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने बताया कि चुनाव में प्रचार के दौरान ही उनका दर्शन हुआ है, इसके बाद इनका कहीं अता-पता नहीं है। अनेक ऐसे ग्राम हैं जहां समस्याओं को लेकर आज भी वहां के नागरिक विधायक की बाट जोह रहे हैं। अभी तक ढाई साल के कार्यकाल में उन्होंने अधिकांश भूमिपूजन, शादी-ब्याह कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है, दिवाली मिलन समारोह मनाया है। लेकिन धमतरी विस क्षेत्र में सड़कों की दुर्दशा को लेकर उन्होंने अभी तक आवाज बुलंद नहीं की है। धमतरी विस में हो रही चर्चाओं के अनुसार क्षेत्र के वर्तमान विधायक को अब तक का सबसे कमजोर विधायक माना जा रहा है। लोगों का तर्क है कि ये सिर्फ सोशल मीडिया और प्रेस विज्ञप्ति में ही सक्रिय नजर आते हैं। जनता से रूबरू होने का इनके पास समय नहीं है। कुछ लोगों का कहना है कि क्षेत्रीय विधायक की निष्क्रियता के चलते ही नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। समय रहते अगर जनता की समस्याओं को दूर करने का प्रयास नहीं किया गया तो आने वाले विस चुनाव में भी इसका खामियाजा उठाना पड़ सकता है। विधानसभा चुनाव हुए लगभग दो साल से अधिक हो चुके हैं। इनका गृहग्राम आमदी है, लेकिन विधायक बनने के बाद इन्होंने अपना कार्यालय रूद्री में रखा है जहां वाहन चलाने वाले लोग ही पहुंच सकते हैं, आम आदमी नहीं पहुंच सकता। धमतरी विस के विधायक को फोन लगाने पर वे फोन नहीं उठाते जिससे भी लोगों में जबरदस्त निराशा है। कुछ दिनों पूर्व ग्रामीण क्षेत्र के एक व्यक्ति द्वारा इन्हें अपने गांव की समस्याओं को लेकर फोन लगाया गया था तो वे उस पर बिफर पड़े थे। उक्त ऑडियो भी काफी सुर्खियों में रहा था। मतदाताओं को भरोसा था कि विधायक चुनाव जीतने के बाद धमतरी में अपना कार्यालय खोलेंगे जहां नागरिक अपनी समस्या लेकर आसानी से पहुंच पायेंगे परंतु नागरिकों की यह सोच भी अब तक पूरी नहीं हो पाई है। वे रूद्री से ही अपने कार्यों को अंजाम देते आ रहे हैं। यह पहला अवसर है कि जब कांग्रेस पार्टी ने ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले ओंकार साहू को विधानसभा के लिये अपना उम्मीदवार घोषित किया। चुनाव के दौरान इन्होंने पूरे शहर का भ्रमण कर शहरवासियों को आश्वस्त किया था कि वे नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करेंगे। उनकी प्रत्येक समस्या में वे हाजिर रहेंगे। लेकिन देखा जा रहा है कि इतना लंबा समय गुजर गया है, या यूं कहना चाहिये कि आधा समय बीत गया है, इन्होंने धमतरी विस क्षेत्र में अभी तक समूचे क्षेत्र का दौरा नहीं किया है। यहां तक शहर के 40 वार्डों में भी इनकी उपस्थिति नगण्य है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जितने भी समाचार मीडिया को प्रेषित किये जाते हैं उनमें कुछ को छोड़ अधिकांश में व्यक्तिगत कार्यक्रम ज्यादा नजर आता है। शहर में 40 वार्ड की दशा क्या है, क्या-क्या समस्या है, इसके लिये उन्होंने अभी तक पहल नहीं की है। शहरवासी अपनी समस्याओं को लेकर खुद जूझ रहे हैं। पानी की समस्या, अघोषित बिजली कटौती, सड़क की दुर्दशा देखकर भी उन्होंने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया है जिससे शहरवासियों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। इनका कहना है कि शहर में पिछले कुछ समय से पानी की किल्लत, बिजली की अघोषित कटौती, के साथ साथ शहर की सड़कें बदहाल हैं, उनकी सुध लेने के लिये उनको फुर्सत नहीं है। यहां तक उन्हें धमतरी में भी भ्रमण करते नहीं देखा गया है। जब शहर के समस्याग्रस्त व्यक्ति अपनी समस्या लेकर रूद्री निवास पहुंचते हैं तो वहां भी वे नहीं मिलते जिसके कारण लोगों में इनके प्रति नाराजगी देखी जा रही है। शहरी स्तर के प्रत्याशियों को चुनाव लड़ाने का यही मुख्य कारण होता है कि वह प्रत्याशी शहर में रहकर लोगों की सेवाएं करता है। कांग्रेस के जितने भी विधायक बने, वे सभी शहरी स्तर में रहकर शहरवासियों के साथ साथ विस क्षेत्रों में भ्रमण कर या वहां से आने वाले लोगों से अपने निवास में भेंट कर उनकी समस्याओं को सुनते थे निराकरण करते थे, लेकिन आज उनके कार्यकाल का दो साल से अधिक पूरा हो चुका है, इन दरम्यान इन्होंने कभी भी धमतरी में दरबार नहीं लगाया है।

कन्या विवाह पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मई

गरियाबंद। जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह का आयोजन 03 मई 2026 रखा गया था। राज्य शासन के मंशानुरूप तिथि मे परिवर्तन करते हुये मुख्यमंत्री कन्या विवाह का आयोजन आगामी 08 मई 2026 को जिले के सभी परियोजनाओं द्वारा निर्धारित स्थलों मे अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति मे आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो माता पिता अपने विवाह योग्य लड़के-लड़कियों का सामूहिक विवाह कराना चाहते है ऐसे जोड़ों का पंजीयन आंगनबाड़ी केन्द्रों व संबंधित परियोजना कार्यालय से 07 मई 2026 तक करा सकते है। इसके पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नही किया जाएगा।

शिवनाथ नदी के अस्तित्व को बचाने हेतु नर्मदा बचाओं आंदोलन के तर्ज पर आंदोलन की दरकार

वोट बैंक कि राजनीति व प्राकृतिक संसाधनों मे कार्पोरेट घराना

गौरतलब है कि प्राकृतिक संसाधनों का लगातार दोहन को देखते हुये वर्तमान व आने वाले भविष्य को देखते हुये प्रशासन अगर कड़ा रुख अख्तियार करता भी है तो कुछ राजनीतिज्ञों द्वारा वोट बैंक कि राजनीति के स्वार्थो के चलते प्राकृतिक संसाधनों के दोहन करने वाले तत्वों को संरक्षण दे दिया जाता है, जिसके कारण सभी सरकारी मापदंडों को दरकिनार विडंबनाओं को बल मिल जाता है। वही शासन तंत्र बैठे कुछ लोग कार्पोरेट घराना से जुडे होने के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर भी इन्हीं का नियंत्रण होता है जिसके कारण बडे-बडे उद्योग संयंत्रों के मनमानी पर प्रशासनिक नियंत्रण व कसावट नही होने से अनियमितता व भर्राशाही निरंतर जारी रहता है।

पानी की प्राथमिकता तय

भारत के जल नीति 2012 और छत्तीसगढ़ डब्ल्यूआरडीए के नियमों के हिसाब से पानी के इस्तेमाल की प्राथमिकता ये है: पहला हक: पीने का पानी, दूसरा हक: खेती-बाड़ी, तीसरा हक: उद्योग, जैसे स्टील प्लांट। मतलब भीषण गर्मी मे अगर गांव-शहर मे पीने के पानी की किल्लत है, तो सबसे पहले वही रोका जाएगा। उसके बाद खेती और फिर उद्योग का नंबर आता है।

बिना परमिशन पानी खींचना गैर-कानूनी

धान की फसल: किसानों को सिंचाई के लिए पानी लेना वैधानिक है, लेकिन अगर आप नदी से सीधे पंप लगाकर पानी खींच रहे हैं तो जल संसाधन विभाग से अनुमति लेनी पड़ती है। बिना परमिशन के पंप चलाना गैर-कानूनी है। स्टील प्लांट/कंपनियां: भिलाई स्टील प्लांट जैसी बड़ी कंपनियों को शिवनाथ से पानी लेने के लिए डब्ल्यूआरडीए और पर्यावरण विभाग से एनओसी लेनी होती है। इसमें लिखा होता है कि गर्मी में कितना पानी ले सकते हैं। अगर तय मात्रा से ज्यादा खींचा तो जुर्माना और कनेक्शन बंद हो सकता है।

गर्मी में रोक लग सकती है

जब शिवनाथ का जलस्तर बहुत कम हो गया तो, कलेक्टर/ डब्ल्यूआरडीए धारा 144 लगाकर उद्योगों और बड़ी सिंचाई का पानी रोक देते हैं। 2023-2024 में दुर्ग-राजनांदगांव में ऐसा हुआ भी था। सिर्फपीने के पानी और जानवरों के लिए छूट रहती है। तो कुल मिलाकर: अगर परमिशन है, तय मात्रा में ले रहे हैं, और आम जन जीवन हेतु पीने के पानी पर संकट नहीं है। बिना एनओसी के पानी खींचना, या प्रशासन की रोक के बाद भी पंप चलाना। इसके लिए 2 साल तक जेल है। अगर शासन-प्रशासन शिवनाथ नदी को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठा रहा, तो आम नागरिक के पास भी कई रास्ते हैं। चुप बैठने से नदी नहीं बचेगी।

भाटापारा। गर्मी के पीक सीजन मे पानी का भूमिगत स्रोत विभिन्न ग्रामीण अंचलों मे 200 से 250 फीट तक नीचे जा रहा है जिसके चलते दैनिक निस्तारी के जीवन हेतु पानी कि भारी किल्लत महसूस कि जा रही है। ग्राम दतरेंगी मे पिछले 11 दिनों मे बोरबेल फेल हो जाने से पानी टैंकर के माध्यम से पानी कि पूर्ति कि जा रही है। वहीं ग्राम बगबुडवा के सुखराम ध्रुव ने बताया कि हमारा गाँव नदी किनारे के ग्रामीण क्षेत्र होने के बावजूद यह पर पानी के भूमिगत जल स्रोत नीचे चला गया है।

गाँव के कुछ तालाब सूखे पडे है एवं नदी मे सूखे कि स्थिति है जिसका मुख्य कारण नदी का विभिन्न स्तरों पर मनमाना दोहन है जिसमें मुख्य रुप से अवैध रेत उत्खन्न ग्रीष्मकालीन धान का फसल नदी किनारे स्थापित अनगिनत संयंत्रों का 12 महिने दोहन। वहीं ग्राम कोनी बंजर के सरपंच मनोज शर्मा ने बताया कि ग्राम मे भूमि गत जल स्रोत नीचे चले जाने से निस्तारी कि समस्या खडी हो गई है जिसके कारण टेपनल जैसी व्यवस्था भी बाधित हो रही है व कोनी पूर्व पंच नेतराम ने कहा कि कोनी बंजर घाट के नदी का पानी सूख गया है। पिछले 5 सालों से स्थिति बनी हुई है जो पहले सदानीर होकर शिवनाथ नदी बहता था अब वह अपने अस्तित्व कि लड़ाई लड़ रहा है। इस जीवनदायिनी नदी के अस्तित्व को बचाने के लिये शासन प्रशासन को कडे कदम उठाने होंगे क्योंकि पानी कि पहली प्राथमिकता जीवन निस्तारी का होता है। वहीं ग्राम कोदवा के पूर्व जनपद सदस्य बिंदेश्वरी बलदेव वर्मा ने बताया कि शिवनाथ नदी छत्तीसगढ़ कि जीवन रेखा है इसके अस्तित्व से खिलवाड़ छत्तीसगढ़ महतारी के अस्तित्व से खिलवाड़ है। अप्रैल से नदी के पानी का बहाव टूट गया है और जो स्थिर पानी है वह भयावह भीषण गर्मी को देखते हुये मानव जीवन को पहली प्राथमिकता देते हुये सुरक्षित रखा जाना चाहिये।

सदानीर जीवनदायिनी शिवनाथ नदी के अस्तित्व को बचाने के लिये जिस प्रकार सोमनाथ नदी से लेकर रायपुर के महादेव घाट तक खारून नदी को बचाने पैदल मार्च आंदोलन किया गया था उसी तरह उक्त मुद्दे पर प्रशासन को अवगत कराने के बाद अगर गम्भीरता से ध्यान नहीं दिया जाता है तो आम लोगों का साथ लेकर वृहद स्तर पर शिवनाथ नदी बचाओ आंदोलन किया जायेगा क्योंकि नदी के किनारे मनमाने औद्योगिकीकरण के चलते कई बडे कम्पनियां लाखों लीटर प्रतिदिन पानी खीच रहे है और बदले मे गंदे पानी बिना किसी ट्रीटमेंट के नाले व तालाबों के माध्यम से नदी मे डाल रहे है। इन कम्पनियों को कब एनओसी दिया जाता है इसका कभी चर्चा व प्रकाशन भी नही होता विडम्बनाओं पर कार्रवाई हेतु पर्यावरण व उद्योग विभाग बेबस असहाय व लाचार बनकर सोया हुआ रहता है।

चन्द्रकांत यदु
जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी
प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रवक्ता

कानूनी रास्ते अपनाएं

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल पानी और पर्यावरण के मामलों को 6 महीने में निपटाता है। शिवनाथ में अवैध रेत खनन, उद्योगों का गंदा पानी डालने के फोटो-वीडियो सबूत के साथ आनलाईन शिकायत कर सकते हैं। एनजीटी भोपाल बेंच छत्तीसगढ़ के केस सुनती है। हाईकोर्ट में पीआईएल बिलासपुर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर सकते हैं। नदी का जीवन का अधिकार सुप्रीम कोर्ट मान चुका है। वकील के बिना भी पीआईएल लगा सकते हैं। डब्ल्युआरडीए, जल संसाधन विभाग से पूछें कि स्टील प्लांट को कितना पानी खींचने की परमिशन है, गर्मी में रोक क्यों नहीं लगी। आरटीआई से सच्चाई सामने आती है।

जन-आंदोलन खड़ा करें

नदी किनारे के गांवों की ग्राम सभा में प्रस्ताव पास कराएं कि नदी से अवैध दोहन बंद हो। पंचायत का प्रस्ताव कलेक्टर को मानना पड़ता है। भाटापारा से दुर्ग तक शिवनाथ बचाओ पदयात्रा निकालें। मीडिया आएगा तो दबाव बनेगा। मेधा पाटकर ने नर्मदा बचाने के लिए यही किया था। शांतिपूर्ण धरना पूरी तरह वैधानिक है ।

तकनीकी सबूत जुटाएं

CG Ground Water Board से अपने ब्लॉक की रिपोर्ट निकाला जा सकता है। अगर पानी 200 फीट नीचे है तो ये सबूत है कि पानी का दोहन ज्यादा हो रहा। Google Earth पर 10 साल पुरानी और आज की नदी की फोटो निकालकर तुलना करें। कोर्ट में पक्का सबूत माना जाता है। हार नहीं माननी है। गंगा-यमुना को भी लोगों ने ही लड़कर बचाया है। शिवनाथ छत्तीसगढ़ की मां है। आप भाटापारा में हैं तो शुरुआत अपने गांव से 10 लोगों को जोड़कर कर सकते हैं।

जल प्राकृतिक का अनमोल धरोहर है भीषण गर्मी के दौर मे जो जल बचा है उसे संरक्षित रखकर रखना हम सबकी जवाबदारी है क्योंकि प्राकृतिक स्रोत प्रबल उपहार को हाथ से नहीं बनाया जा सकता, वह प्रकृति से ही मिलता है, इस भीषण गर्मी मे जो है उसी को लेकर चलना है।

श्यामा पटेल अनुविभागीय राजस्व अधिकारी

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक मामले में फरार मुख्य आरोपी पर ईनाम घोषित किए

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (सिजीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षा के हिंदी पेपर लीक मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इस मामले के मुख्य फरार आरोपी वेणु जंघेल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अब नकद इनाम घोषित किया है। सेंट्रल जोन के डिप्टी कमिश्नर ऑफपुलिस (डीसीपी) उमेश गुप्ता ने आदेश जारी कर आरोपी की सूचना देने या गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी पिछले डेढ़ महीने से फरार है और लगातार गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि उसका खुलेआम घूमना कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है। गौरतलब है कि 12वीं हिंदी बोर्ड परीक्षा से पहले ही प्रश्न पत्र सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप ग्रुप्स में वायरल होने का मामला सामने आया था। छात्र संगठन एनएसयूआई ने सबसे पहले इस लीक का दावा किया, जिसके बाद प्रदेशभर में विरोध शुरू हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हिंदी परीक्षा को रद्द कर दिया था। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोबारा परीक्षा आयोजित कराई गई। पेपर लीक की पुष्टि होने पर सिटी कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

आमानाका थाना क्षेत्र में पशु क्रूरता मामले में आरोपी गिरफ्तार किए

रायपुर। राजधानी रायपुर के आमानाका थाना क्षेत्र में पशु के साथ क्रूरता और अनाचार के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल था। पुलिस को शिकायत मिली थी कि एक व्यक्ति द्वारा पशु के साथ अमानवीय कृत्य किया जा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 139/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मिले वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी हमीउद्दीन (70 वर्ष), निवासी ग्राम सोन वर्षा, थाना कुल्हाई, जिला महराजगंज (उत्तरप्रदेश) हाल पता डूमर तालाब, तिवारी कॉलोनी, आमानाका रायपुर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को आहत करने) और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और इस तरह के अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

चार साल की बच्ची से पड़ोसी युवक ने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के अभनपुर थाना क्षेत्र के खोलागांव में एक बेहद शर्मनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 20 वर्षीय युवक ने पड़ोस में रहने वाली महज चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मासूम बच्ची की मां किसी काम से पोस्ट ऑफिस गई थी। बाहर तेज धूप होने के कारण मां ने सुरक्षा के लिहाज से अपनी बच्ची को भरोसेमंद समझकर पड़ोसी के घर छोड़ दिया था। इसी बीच, सूनेपन का फायदा उठाकर पड़ोसी युवक राहुल तारक (20 वर्ष) ने मासूम के साथ हैवानियत की वारदात को अंजाम दिया।सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई। अभनपुर थाना प्रभारी सत्येंद्र श्याम ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी राहुल तारक को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ और जानकारी के अनुसार, बच्ची को उसकी माँ ने धूप से बचाने के लिए पड़ोसी के घर छोड़ा था। मामले में अपराध दर्ज कर विस्तृत जाँच की जा रही है। इस जघन्य कृत्य के बाद खोलागांव सहित पूरे अभनपुर क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफसख्त से सख्त सजा की मांग की है।

घर में घुसकर महिला से मारपीट आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार

रायपुर। जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में घर में घुसकर महिला और उसकी बहन से मारपीट करने वाले आरोपी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थिया सुभद्रा सूर्यवंशी ने थाना पामगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि 28 अप्रैल 2026 को वह अपने मकान निर्माण के दौरान छत ढलाई का कार्य करवा रही थी। इसी दौरान गली की ओर लगी चहली को लेकर पड़ोसी यशवंत उर्फ छोटन सूर्यवंशी (23 वर्ष) निवासी दर्री से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने महिला के घर में घुसकर उसके और उसकी बहन के साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक सावन कुमार सारथी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 333, 296, 351(3) एवं 115(2) के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सावन सारथी, प्रधान आरक्षक राजेश कोशले, आरक्षक विजय निराला और बेदराम पटेल का विशेष योगदान रहा।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से मिल रहा संबल,समयबद्ध भुगतान और पारदर्शिता पर जोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं जरूरतमंद वर्ग के लिए भरोसे का मजबूत आधार बनती जा रही हैं। वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और निराश्रित महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली ये योजनाएं न केवल उनके जीवन-यापन को आसान बना रही हैं, बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी दे रही हैं। राज्य में वर्तमान में कुल छह पेंशन योजनाएं संचालित हैं, जिनमें तीन राज्य सरकार और तीन केंद्र सरकार की योजनाएं शामिल हैं। राज्य योजनाओं—सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा योजना और मुख्यमंत्री पेंशन योजना—के अंतर्गत मार्च 2026 तक सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर भुगतान कर दिया गया है, जिससे लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिला है। केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के अंतर्गत भी भुगतान प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित की गई है।

छत्तीसगढ़ में बीते लगभग ढाई वर्षों में शासन की कार्यशैली

बगिया के विष्णु का विकास विज़न-सुशासन से जन-जन तक पहुंचती सरकार

- डबल इंजन की रफ्तार, योजनाओं की बौछार- किसान, आदिवासी, महिला और युवा बने केंद्र में

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में बीते लगभग ढाई वर्षों में शासन की कार्यशैली को लेकर एक नई परिभाषा गढ़ने की कोशिश दिखाई देती है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 'सुशासन' को केवल एक नारा नहीं, बल्कि जमीनी क्रियान्वयन का आधार बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। सीमित समयावधि करीब 2 वर्ष 4 माह 17 दिन में ही सरकार ने विकास का जो खाका तैयार किया है, उसे भविष्य की बड़ी तस्वीर के रूप में देखा जा रहा है। प्रदेश की पहचान 'धान का कटोरा' के रूप में रही है, लेकिन इस पहचान को सम्मान देने का काम हालिया नीतिगत निर्णयों में स्पष्ट दिखता है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर तय करना केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि अन्नदाताओं के आत्मविश्वास को मजबूत करने की पहल भी है। इसके साथ ही, तेंदूपत्ता संग्राहकों जिन्हें 'हरा सोना' से जुड़ा श्रमिक वर्ग कहा जाता है, के लिए पारिश्रमिक दर को 5500 रुपये करना और चरण पादुका वितरण जैसे निर्णयों ने आदिवासी क्षेत्रों में राहत पहुंचाई है। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही लगभग 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति देना सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। बेघर और जरूरतमंद परिवारों को छत उपलब्ध कराना सुशासन की पहली सीढ़ी के रूप में देखा गया।राज्य सरकार ने 70 लाख से अधिक विवाहित महिलाओं के खातों में प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि देने की पहल की। यह राशि भले सीमित लगे, लेकिन ग्रामीण और

जरूरतमंद परिवारों के लिए यह आर्थिक संबल का काम कर रही है। यह कदम महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापित करने की दिशा में केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों ने असर दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री श्री अमित शाह की रणनीति और संकल्प के साथ 31 मार्च 2026 तक नक्सलमुक्ति का लक्ष्य एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। इससे विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद बढ़ी है। विष्णु देव साय सरकार ने युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग' से जुड़े मामलों में जांच कराना सरकार के जवाबदेही वाले दृष्टिकोण को दर्शाता है। साथ ही, खेल गतिविधियों विशेषकर बस्तर व सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया है। विगत वर्ष आयोजित 'सुशासन तिहार' को इस वर्ष भी 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य योजनाओं की जमीनी हकीकत को परखना, नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और प्रशासन को सीधे जनता से जोड़ना है। श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य के समन्वय को 'डबल इंजन सरकार' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि इस समन्वय से विकास योजनाओं को गति मिली है और इसका लाभ प्रदेश के लगभग तीन करोड़ नागरिकों तक पहुंच रहा है।'बगिया के विष्णु' के रूप में पहचाने जाने वाले मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों ईब से इंद्रावती तक विकास का जो रोडमैप तैयार किया है, वह समावेशी विकास की अवधारणा को दर्शाता है। लक्ष्य स्पष्ट है, अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना।

खनन क्षेत्रों में ड्रोन की निगरानी से खनिज संसाधन की सुरक्षा तथा राजस्व संरक्षण में मिल रही मदद....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर लगाम कसने के लिए तकनीक और नवाचार का सहारा लेते हुए एक बड़ी और निर्णायक पहल की है। इसी कड़ी में अब खनन क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की शुरुआत कर दी गई है, जो राज्य में कानून व्यवस्था, खनिज संसाधन की सुरक्षा तथा राजस्व संरक्षण की दिशा में अहम कदम साबित हो रहा है। राज्य सरकार की स्पष्ट मंशा है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को जड़ से खत्म किया जाए। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से अब खनन क्षेत्रों में रियल टाइम निगरानी संभव हो सकेगी, जिससे अवैध उत्खनन, परिवहन और संबंधित गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। यह कदम न केवल राजस्व हानि को रोकेगा, बल्कि अवैध कारोबार में लिप्त तत्वों के लिए कड़ा संदेश भी साबित होगा। खनिज विभाग का मैदानी अमला पहले से ही अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर रहा था, लेकिन अब ड्रोन तकनीक के जुड़ने से इस कार्रवाई की गति और सटीकता दोनों बढ़ेंगी। ड्रोन से लगभग 5 किलोमीटर तक की रेंज और 120 मीटर तक ऊंचाई से निगरानी की क्षमता के चलते बड़े और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। ड्रोन के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत पहचान कर मौके पर कार्रवाई की जा सकेगी, जिससे अवैध

गतिविधियों में संलिप्तों के बच निकलने की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी। खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन में उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरा, नाइट विजन और एआई आधारित विश्लेषण प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं, जो व्यापक और सटीक निगरानी सुनिश्चित करती हैं। इसके जरिए बड़े और दुर्गम खनन क्षेत्रों पर भी आसानी से नजर रखी जा सकती है। यह पहल स्पष्ट संकेत देती है कि राज्य सरकार अवैध खनन के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रही है। सरकार का यह साहसिक निर्णय न केवल कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करेगा, बल्कि खनिज संसाधनों के संरक्षण और पारदर्शी राजस्व व्यवस्था को भी मजबूत करेगा। ड्रोन निगरानी की यह नई व्यवस्था राज्य में सुशासन और तकनीकी नवाचार का मजबूत उदाहरण बनकर उभर रही है। इसी कड़ी में 29 अप्रैल 2026 को जिला कांकेर के तहकापार रेत खदान क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का उपयोग करते हुए सघन निगरानी और छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त वाहनों एवं उपकरणों की पहचान की गई।

हर घर नल से जल:नवरंगपुर में खत्म हुआ जल संकट बदली ग्रामीणों की जिंदगी

- जल जीवन मिशन से 463 आबादी वाले गावों में पहुंचा शुद्ध पेयजल, महिलाओं को मिली बड़ी राहत

रायपुर/ संवाददाता

मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत रबेली का आश्रित ग्राम नवरंगपुर, जो जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित है, अब जल संकट से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से गांव के हर घर तक नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। लगभग 463 की आबादी वाले इस गांव में पहले पेयजल के लिए केवल पांच हैंडपंप और दो बोरवेल ही सहारा थे। गर्मी के दिनों में भूजल स्तर गिरने से हैंडपंप सूख जाते थे और ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था। इस समस्या से विशेष रूप से महिलाओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ग्राम की निवासी बुधवारा बाई यादव ने बताया कि पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, कई बार पड़ोसियों से पानी मांगना पड़ता था। अब घर में ही नल से पानी मिलने लगा है, जिससे हमारी सबसे बड़ी परेशानी खत्म हो गई है। इसी तरह कुमारी सती ने कहा कि अब हमें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता। नल कनेक्शन मिलने से बहुत राहत मिली है और समय भी बच रहा है। जल जीवन मिशन के तहत गांव के सभी घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं और नियमित जल आपूर्ति से ग्रामीणों का दैनिक जीवन सरल और सुगम हो गया है। महिलाओं का समय बचने से वे अब अन्य कार्यों में ध्यान दे पा रही हैं। ग्रामीणों ने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में वास्तविक बदलाव लेकर आई है।

भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना से श्रीमती सावित्री को मिला संबल.....

रायपुर/ संवाददाता

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना भूमिहीन परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है, जिससे उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं को भी मजबूती मिल रही है। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम कन्हाईबंद की निवासी श्रीमती सावित्री यादव इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में उनका जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में व्यतीत हो रहा था। भूमिहीन होने

के कारण उनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था और वे पूर्णतः मजदूरी कार्य पर निर्भर थीं। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण एवं अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु प्रभावी एवं संवेदनशील पहल की जा रही है। साथ ही श्रमवीरों एवं भूमिहीन कृषि मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाएं उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। उन्होंने बताया कि कई बार उन्हें आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता था, लेकिन योजना के तहत प्राप्त होने वाली वार्षिक सहायता राशि ने उनके जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। अब वे इस राशि का उपयोग घरेलू खर्चों एवं अन्य आवश्यक जरूरतों की पूर्ति में कर रही हैं, जिससे उन्हें काफी राहत मिली है। श्रीमती सावित्री यादव ने कहा कि यह योजना उनके जैसे भूमिहीन परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

जनगणना ड्यूटी पर लगे अधिकारी-कर्मचारियों का नहीं होगा ट्रांसफर

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेशभर में ट्रांसफर पर रोक लगा दी है। सरकार ने साफकर दिया है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के ट्रांसफर पर रोक रहेगी। ये उन कर्मचारियों पर लागू होगा जो जनगणना 2027 के काम में लगे हुए हैं। दरअसल, मोदी सरकार ने साल 2027 में देशभर में जनगणना करवाने का फैसला लिया है। ये भारत की 16वीं जनगणना होगी, जिसकी शुरुआत छत्तीसगढ़ में भी हो चुकी है। वहीं, 1 से 30 मई तक सर्वेयर घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। प्रदेश में जनगणना को लेकर प्रशासन ने भी पूरी तरह से तैयारियां शुरू कर दी है। ऐसे में राज्य सरकार ने जनगणना 2027 ड्यूटी पर लगे अधिकारी/ कर्मचारियों के ट्रांसफर पर रोक लगा दी है।

मनरेगा और डीएमएफके अभिसरण से बना बकरी शेड, अब सुरक्षित पशुपालन से बढ़ी आय और आत्मविश्वास

बकरी पालन से बदली आर्थिक तस्वीर:रानी बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

रायपुर/ संवाददाता

बकरी पालन ग्रामीण में आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का एक प्रमुख जरिया बन गया है। यह कम लागत वाला व्यवसाय महिलाओं और छोटे किसानों के लिए आय का एक मजबूत, टिकाऊ स्रोत बनकर उभरा है। धमतरी जिले के कातलबोड़ ग्राम पंचायत की निवासी रानी ओझा ने बकरी पालन के जरिए आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल पेश की है। कभी खुले आसमान के नीचे बकरियों को रखने की मजबूरी और उससे होने वाली परेशानियों से जूझने वाली रानी आज सुरक्षित बकरी शेड के सहारे न केवल अपने पशुधन की बेहतर देखभाल कर रही हैं, बल्कि अपनी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि कर चुकी हैं। यह बदलाव मनरेगा और जिला खनिज संस्थान न्यास के अभिसरण से संभव हो पाया है, जिसके तहत उनके लिए बकरी शेड का निर्माण किया गया। रानी ओझा जो कि एक स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं, ने बताया कि पहले बकरियों को खुले में रखने के कारण उन्हें मौसम की मार, बीमारियों और सुरक्षा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। इससे न केवल पशुधन को नुकसान होता था, बल्कि उनकी आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। लेकिन शासन की योजनाओं के सहयोग से बने बकरी शेड ने उनकी इन समस्याओं का समाधान कर दिया है। मनरेगा के तहत स्व-सहायता समूहों के आजीविका संवर्धन के लिए बकरी शेड निर्माण की योजना के अंतर्गत रानी ओझा को लगभग 1 लाख 10 हजार रुपये की राशि स्वीकृत हुई, वहीं जिला खनिज संस्थान न्यास से भी लगभग 1 लाख 66 हजार रुपये का सहयोग मिला। इस संयुक्त प्रयास से निर्मित बकरी शेड ने उनके पशुपालन कार्य को नई दिशा दी। शुरुआत में रानी ने 11 बकरियों के साथ इस कार्य को शुरू किया था। बेहतर देखभाल और सुरक्षित वातावरण मिलने से बकरियों की संख्या में वृद्धि हुई और उनकी बिक्री से आय भी बढ़ी है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया

है। वर्तमान में वे लगभग 40 बकरियों का पालन कर रही हैं और आगे इसे और बढ़ाने की योजना बना रही हैं। रानी ओझा का कहना है कि बकरी शेड निर्माण से न केवल पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है, बल्कि उन्हें अपने कार्य को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने का आत्मविश्वास भी मिला है। अब वे अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं, जो पशुपालन के माध्यम से अपनी आजीविका को सुदृढ़ करना चाहती हैं। ग्राम पंचायत के सरपंच और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस पहल को सराहा है और बताया कि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। रानी ओझा की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही मार्गदर्शन और संसाधन मिलें, तो ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

बिहान से बदली जिंदगी : गुंजवती पेगड़ बनीं लखपति दीदी

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है बस्तर जिले के लोहण्डीगुड़ा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत एरण्डवाल की निवासी श्रीमती गुंजवती पेगड़ की, जिन्होंने स्व सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन में आर्थिक बदलाव लाया और आज लखपति दीदी के रूप में पहचान बना रही हैं। श्रीमती गुंजवती पेगड़ वर्ष 2023 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत दुर्गावती स्व सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने धान खेती, सब्जी खेती, मुर्गीपालन, मुर्गी की ब्रीडिंग तथा गायपालन जैसी गतिविधियों को आजीविका का आधार बनाया।

संपादकीय

बंपर वोटिंग के मायने

पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव के पहले चरण में करीब तिरानबे फीसद लोगों ने मतदान किया, जबकि तमिलनाडु में पचासी फीसद से ज्यादा लोग घर से निकले और उन्होंने वोट डाले पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के तहत गुरुवार को हुआ मतदान पार्टियों के बीच जीत के लिए जोर-आजमाइश या राजनीतिक खींचतान से ज्यादा डाले गए वोट के फीसद के लिए दर्ज किया जाएगा। निश्चित तौर पर यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र के एक पर्व के तौर पर देखे जाने वाले चुनाव और मतदान में ज्यादा से ज्यादा मतदाता हिस्सा लें।मगर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक जितने अधिकतम लोगों ने वोट डाले थे, इस बार के चुनाव में वह आंकड़ा पार कर गया। स्वाभाविक ही इसे लोकतंत्र के जीवन और आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता फैलने के रूप में देखा जा रहा है। मगर इसके समांतर कुछ अन्य सहायक कारक भी स्पष्ट हैं, जिनकी वजह से पात्र मतदाताओं ने दोनों राज्यों में जम कर वोट डाले।गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव के पहले चरण में करीब तिरानबे फीसद लोगों ने मतदान किया, जबकि तमिलनाडु में पचासी फीसद से ज्यादा लोग घर से निकले और उन्होंने वोट डाले।जाहिर है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों ने अगर मतदान किया है, तो इसके पीछे मुख्य कारण संवैधानिक अधिकारों के प्रति जनता के बीच फैली व्यापक जागरूकता है और यह देश के लोकतंत्र के लिए एक सुखद संकेत है। हालांकि पश्चिम बंगाल में होने वाले किसी भी चुनाव में मतदान का फीसद सामान्य तौर पर अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा रहता है, लेकिन इस बार का आंकड़ा अगर इतना ऊंचा गया है, तो इसकी वजह वहां के राजनीतिक माहौल में प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच आक्रामक खींचतान से पैदा हुआ उद्वेलन भी है, जिसने बहुत सारे लोगों को अपना वोट हर हाल में डालने को लेकर जागरूक किया।तमिलनाडु में भी कमोबेश स्थिति यही रही। दिलचस्प यह है कि इन दोनों राज्यों के चुनावी गणित में अब तक भाजपा का कोई खास प्रभाव नहीं रहा है, लेकिन इस बार के चुनाव प्रचार में योजनाबद्ध तरीके से इसने जिस स्तर का दखल दिया, उसमें यह विपक्षी पार्टियों के विरोध का केंद्र बन गई।

इस क्रम में आक्रामक चुनाव प्रचार अभियानों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ा, जिन्होंने अपने-अपने पक्ष के लिए मतदान में हिस्सेदारी को अपनी जिम्मेदारी माना।इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव के पहले जिस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का अभियान चलाया और अपात्र मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया चली, उसमें बड़ी संख्या में लोगों के बीच किसी भी स्थिति में सूची में कायम रहने को लेकर फिक्र पैदा हुई।यही वजह है कि एसआइआर की प्रक्रिया में मृत या विस्थापित हो चुके और अन्य कारणों से अपात्र माने गए लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद जो बचे रहे, उन्होंने इस बार पहले के मुकाबले वोट डालने को लेकर ज्यादा सजगता दिखाई।दरअसल, इस सूची में मौजूदगी सुनिश्चित होना और मताधिकार का उपयोग करना भविष्य में नागरिक अधिकारों के सुरक्षित होने को लेकर एक आशंका से भी जुड़ा हो सकता है। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि मतदान के लिए पात्र माने गए लोगों ने अगर भारी संख्या में घरों से निकल कर अपने मतदान के हक का इस्तेमाल किया, तो यह न केवल जनता के बीच व्यापक जागरूकता का संकेत है, बल्कि देश के लोकतंत्र के मजबूत होते जाने का सूचक भी है।पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग संपन्न हो गई है, 90 फीसदी के करीब मतदान हुआ है। पिछले 15 सालों से राज्य में ममता बनर्जी की सरकार है। 2011 में उन्होंने पहली बार सत्ता में आने के बाद बंगाल की जनता से कई वादे किए थे। बीजेपी आरोप लगाती है कि ममता उन वादों पर खरा नहीं उतर पाई है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया।

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

(ललित गर्ग)

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटिस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी

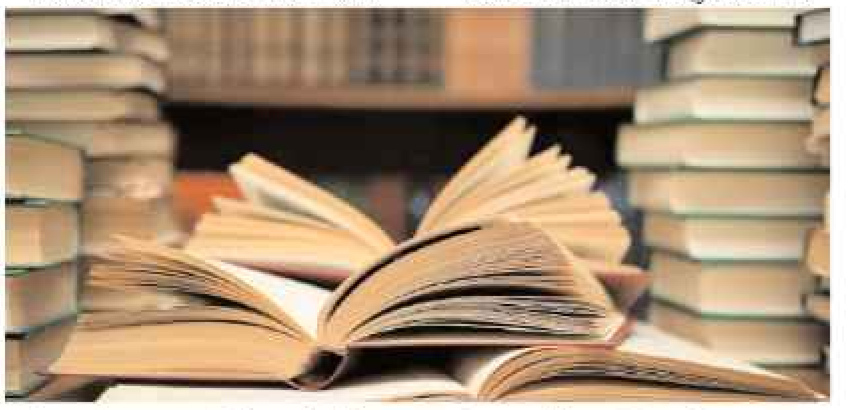

चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि अज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश। इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं। पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं।

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार । (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नेपाल की राजनीति में भूचाल ! इस्तीफों, आरोपों और अंदरूनी घमासान से घिरी नई सरकार

(पुष्परंजन)

नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद आम लोगों को उम्मीद थी कि देश के विकास को नई दिशा मिलेगी, जनकल्याण की नीतियां एवं योजनाएं आकार लेंगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। मगर अब देश के शासन और सियासत में ही नई चुनौतियां पैदा हो गई हैं। नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब हवाला व्यवसायी दीपक भट्ट के साथ उनके कथित व्यावसायिक संबंधों को लेकर जांच चल रही है और पार्टी के अंदर तनातनी थीं।

गुरुंग का इस्तीफा नहीं होता, तो अंतःपुर का झगड़ा खुल कर बाहर आ जाता। उनका कहना है कि उनसे जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने पद से इस्तीफा दिया है, ताकि कोई ये न कह सके कि पद पर रहते वे जांच प्रक्रिया को प्रभावित कर रहे हैं।

गृहमंत्री के इस्तीफे के बाद नेपाल में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गुरुंग ने कहा, 'हाल के दिनों में सार्वजनिक स्तर पर उनके निवेश, जिसमें शेयरों में निवेश भी शामिल है, उसे लेकर उठाए गए सवालों को मैंने गंभीरता से लिया है, नैतिकता पद से बड़ी होती है। देश में चल रहा युवाओं का आंदोलन सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहा है, उसने भी यही संदेश दिया है कि सार्वजनिक जीवन साफ-सुथरा होना चाहिए और नेतृत्व जवाबदेह होना चाहिए। अगर कोई मेरे भाइयों और बहनों के बलिदान से बनी सरकार पर सवाल उठाता है, तो उसका जवाब नैतिकता है।'

गुरुंग ने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा, 'बहुत सारी अफवाहें' फैल रही हैं। तथ्यों को अटकलों से अलग करने की जरूरत है। आरोप और सच्चाई एक ही चीज नहीं हैं। फैसले सबूतों पर आधारित होने चाहिए, भावनाओं पर नहीं। मैं पार्टी द्वारा लिए गए हर फैसले का पूरी तरह पालन करूंगा और जांच में सहयोग करूंगा। अब सवाल यह है कि क्या पार्टी आलाकमान ने उन्हें इस्तीफा देने को कहा था?

गौरतलब है कि बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार में किसी मंत्री का यह दूसरा इस्तीफा है। प्रधानमंत्री ने नौ अप्रैल को श्रम, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा मंत्री दीपक कुमार साह को पद से हटा दिया था। उनको पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने के एक औपचारिक पत्र के बाद हटाया गया था। यह पत्र पार्टी के केंद्रीय अनुशासन आयोग की जांच रपट पर आधारित था, जिसमें कहा गया था कि साह ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपनी पत्नी को स्वास्थ्य बीमा बोर्ड के सदस्य के तौर पर बनाए रखा। यह पद काफी समय से लगभग निष्क्रिय पड़ा था। दीपक कुमार साह संसद सदस्य बनने से पहले मेडिकल दाखिले में फर्जीवाड़ा करने के आरोप में अपनी कंपनी के सहयोगी के साथ गिरफ्तार किए गए थे। उनका मामला नेपाल की एक उच्च अदालत में लंबित था। प्रधानमंत्री ऐसे शख्स को मंत्री बनाने की वजह से भी आलोचना के घेरे में थे।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी पारदर्शिता और साफ-सुथरी राजनीति का पैगाम देकर सत्ता में आई थी और उसके लिए अब जनता की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने की चुनौती है। बालेंद्र शाह ने पहले श्रम मंत्री दीपक साह को सत्ता दुरुपयोग के आरोप में मंत्रिमंडल से बाहर किया। साह चुनाव से पहले मेडिकल में दाखिले में पैसे उगाही के मामले में जेल जा चुके थे। मगर इस बार देश के गृहमंत्री सुदन गुरुंग शक के घेरे में थे। गुरुंग ने जहां निवेश किया था, उसके तार कुख्यात हवाला कारोबारी दीपक भट्ट के साथ जुड़े बताए जा रहे हैं।

आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट- केजरीवाल कब छोड़ेंगे पार्टी सुप्रीमो की कुर्सी?

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

(संतोष कुमार पाठक)

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

राघव चड्ढा की जिस काबलियत को देखकर एक जमाने में कुमार विश्वास, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें इंटर्न के तौर पर पार्टी के साथ जोड़ा था। उसी काबलियत का इस्तेमाल करते हुए बड़ी ही चालाकी से राघव चड्ढा ने आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 का जुगाड़ (खुद को मिलाकर) करते ही बीजेपी का दामन थाम लिया।टूट के लिए कानूनी रूप से जरूरी दो-तिहाई सांसदों का जुगाड़ कर एक बार फिर से

राघव चड्ढा ने अपनी काबलियत तो साबित कर दी लेकिन इस बार वे अपने ही राजनीतिक गुरु केजरीवाल पर भारी पड़ गए।

पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस पार्टी को खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से भटक गई है। वहीं केजरीवाल ने अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक, बीजेपी पर पंजाबियों के साथ धोखा देने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी और उनके पूरे सिस्टम ने इन्हें गद्दार, यहां तक कि देशद्रोही तक साबित करने का अभियान छेड़ दिया है।

जबकि होना तो यह चाहिए था कि इतनी बड़ी टूट के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, खासकर आंदोलन के समय के नेताओं को बैठकर आत्ममंथन करना चाहिए। वर्ष 2013 से पहले और उसके बाद आए तमाम नेताओं पर नजर डालते हुए, यह सोचना चाहिए कि अब तक कितने गए, कब गए, क्यों गए और किसकी वजह से गए? लेकिन इसकी बजाय केजरीवाल पार्टी छोड़कर जाने वाले हर नेता को गद्दार साबित करने में जुट जाते हैं ताकि पार्टी के अंदर कोई भी उनके रवैए पर सवाल न उठा पाए।

आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी आंदोलन से हुआ था इसलिए इस पार्टी का खत्म होना दशकों तक इस देश को आंदोलन के नाम से डराता रहेगा। इसके लिए सिर्फ ऑपरेशन लोटस और बीजेपी को जिम्मेदार बता देने से काम नहीं चलेगा।

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को तुरंत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाकर कुछ कड़े फैसले लेने की पहल करनी चाहिए। दिल्ली में मिली हार के बाद अब यह सवाल तो बेमानी हो गया है कि एक व्यक्ति, एक पद के नियम के बावजूद अरविंद केजरीवाल वर्षों तक दो-दो पदों पर कैसे बने रहे? लेकिन अब यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिर पिछले साढ़े 13 वर्षों से एक ही व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक क्यों बने हुए हैं? क्या संजय सिंह, मनीष सिसोदिया या पार्टी के किसी भी अन्य नेता में पार्टी की कमान संभालने की क्षमता नहीं है ? नेताओं को पार्टी से निकालने का मामला हो या राज्यसभा उम्मीदवार तय करने का मामला हो, यह सब कुछ एक ही व्यक्ति की इच्छा पर कब तक छोड़ा जाएगा? आखिर पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी क्यों बनाई गई है और इसका काम क्या है? पहले दिल्ली में सत्ता सुख भोगों और जब यहां पर जनता सत्ता से बाहर कर दें तो पंजाब जाकर जम जाओ, ये किस तरह का रवैया है? चाहे वो केजरीवाल हो या मनीष सिसोदिया या फिर बिभव कुमार या फिर कोई अन्य नेता या कर्मचारी, दिल्ली की हार के बाद क्या ये लोग 3-4 साल भी दिल्ली में या देश के अन्य राज्यों में संघर्ष नहीं कर सकते जो ये लोग सत्ता वाले राज्य पंजाब को घर बनाने निकल पड़ते हैं? अगर इन सवालों के जवाब नहीं तलाशे गए तो यकीन मानिए कि आने वाले दिनों में आप का पूरा संगठन भी बीजेपी में विलय होता हुआ नजर आएगा।

अगर यह सब सिर्फ एक या दो व्यक्ति की जिद के कारण हो रहा है तो पार्टी के सभी नेताओं को मिलकर उन्हें किनारे लगाकर किसी और सक्षम नेता को जिम्मेदारी देनी चाहिए। पार्टी को अपने पुराने नेताओं की भी घर वापसी का अभियान बड़े पैमाने पर चलाना चाहिए और सबसे बड़ी बात आप के नेताओं को यह समझना चाहिए कि राज्यसभा की सांसदी का टिकट धन्नासेठों के लिए नहीं पार्टी के समर्पित कार्यकताओं के लिए होता है।

राजनीतिक हालात जिस तेजी से बदल रहे हैं, अगर उससे भी ज्यादा तेजी से आप ने बदलाव नहीं किए तो आने वाले दिनों में पार्टी के नाम और निशान दोनों पर ही बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, बिभव कुमार, भगवंत मान और आतिशी इस बड़े बदलाव के लिए तैयार हैं? लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इया आपलो सामान निया: दंतेवाड़ा पुलिस ने लौटाई 31 लाख की गुम संपत्ति, 141 मोबाइल नागरिकों को सौंपे

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा पुलिस ने एक सराहनीय पहल करते हुए आम नागरिकों को बड़ी राहत दी है।

आपलो सामान निया- अभियान के तहत पुलिस ने गुम हुए मोबाइल और अन्य संपत्तियों को तलाश कर उनके असली मालिकों को वापस सौंपा। इस अभियान के अंतर्गत कुल 141 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत 31 लाख रुपये से अधिक है, नागरिकों को लौटाए गए।

यह सफलता पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार वर्मन (रा.पु.से.) तथा सायबर सेल नोडल अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक ठाकुर गौरव सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान का परिणाम है। दंतेवाड़ा पुलिस ने इन मोबाइलों को CEIR पोर्टल की मदद से ट्रेस किया। उल्लेखनीय है कि ये मोबाइल न केवल जिले में बल्कि उत्तर प्रदेश सहित पड़ोसी जिलों—जगदलपुर, सुकमा, बीजापुर और कोंडागांव से भी बरामद किए गए।

सायबर सुरक्षा के लिए विशेष पहल

आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दंतेवाड़ा पुलिस ने सायबर हेल्पलाइन नंबर 9479151665 जारी किया है। इसके साथ ही भारत सरकार के हेल्पलाइन नंबर 1930 और ईमेल cybercrime@gov.in पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

इसके अलावा—

-सायबर हेल्पलाइन दंतेवाड़ा- नाम से व्हाट्सएप सुविधा शुरू की गई है नागरिक व्हाट्सएप के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं शिकायत दर्ज होते ही आवेदक को व्हाट्सएप पर ही एक्नॉलेजमेंट नंबर दिया जाएगा

सायबर संगवारी दंतेवाड़ा से जागरूकता अभियान

सायबर अपराधों से बचाव के लिए -सायबर संगवारी दंतेवाड़ा- नामक व्हाट्सएप चैनल भी शुरू किया गया है, जिसमें रोजाना जागरूकता से जुड़ी जानकारी साझा की जाएगी।पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज, लिंक या बैंक/सोशल मीडिया गतिविधि की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन पर संपर्क करें। -सुरक्षा ही सावधानी है और सावधानी ही सायबर अपराध से बचाव है-—इस संदेश के साथ पुलिस ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

शासकीय अरविंद महाविद्यालय किरन्दुल में भारतीय ज्ञान प्रणाली गुरुकुल से वैश्विक तक विषय पर दो दिवसीय सेमिनार आयोजित

किरंदुल। लौहनगरी किरन्दुल में भारतीय ज्ञान प्रणाली : गुरुकुल से वैश्विक तक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ अथितियों के गरिमामय उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता, प्रासंगिकता एवं समृद्ध विरासत को उजागर किया गया।इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन शासकीय अरविन्द महाविद्यालय किरंदुल के द्वारा तथा छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी रायपुर के प्रयोजन एवं आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड किरंदुल एवं एनएमडी सी किरंदुल के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना एवं छत्तीसगढ़ राजकीय गीत के साथ हुआ।अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सत्राध्यक्ष डॉ. आर के हिरकने ने भारतीय शिक्षा पद्धति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा में नैतिकता, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का समावेश आवश्यक है। मुख्य अतिथि रविंद्र नारायण अधिशासी निदेशक बीआईओएम किरंदुल ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को समाज निर्माण का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने हेतु प्रेरित किया। इसके पश्चात विशिष्ट अथिति एजीएम एचआर शैलेन्द्र सोनी ने आधुनिक तकनीक एवं पारंपरिक ज्ञान के समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। डीजीएम एचआर के एल नागवेणी ने विद्यार्थियों को भारतीय मूल्यों के साथ वैश्विक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। आमंत्रित वक्ता पद्मश्री बुधरी ताती दीदी ने अपने प्रेरणादायी उदबोधन में गुरु-शिष्य परंपरा, जनजातीय संस्कृति एवं मातृशक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अरुणि और उसके गुरु की कथा के माध्यम से समर्पण,अनुशासन एवं गुरु सम्मान का संदेश दिया। मुख्य वक्ता डॉ. रंजना नाथ ने योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रस्तुतीकरण भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने भारतीय ज्ञान प्रणाली से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. मनीष कुमार, सह-संयोजक सुखराज नुरेटी एवम रजनी मंडल,आयोजन सचिव डॉ. रवि रंजन कुमार, तकनीकी प्रबंधक डॉ धीरेन्द्र टंडन तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी की समस्त आयोजन समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

उद्घाटन सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं सफल रहा वहीं मंच संचालन निकिता दुबे द्वारा की गई।

खाकी की आड़ में 'काली कमाई' का खेल, दुर्गुकोंदल परिक्षेत्र में लकड़ी तस्करी के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़

भानुप्रतापपुर। पूर्व वन मंडल भानुप्रतापपुर के अंतर्गत आने वाले दुर्गुकोंदल परिक्षेत्र में इन दिनों नियम-कानून ताक पर हैं। जंगलों की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले ही जब भक्षक बन जाएं, तो हरियाली का बचना मुश्किल है।

ताजा मामला एक कंप्यूटर ऑपरेटर के रसूख और भ्रष्टाचार के उस 'डील' से जुड़ा है, जिसका ऑडियो-वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। सूत्रों और वायरल वीडियो के अनुसार, दुर्गुकोंदल कार्यालय में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर अजय कुदंत राव, जो विभाग में खुद को रेंजर से भी ऊपर का दर्जा देते हैं, इस पूरे खेल के मास्टरमाइंड बताए जा रहे हैं। आरोप है कि कुछ दिनों पूर्व भानुप्रतापपुर के 'तरसा होटल' में दल्ली बालोद के एक ठेकेदार के साथ मलगुजा इमरती लकड़ी की कटाई और अवैध परिवहन को लेकर एक गुप्त बैठक हुई। इस बैठक में डिप्टी रेंजर और बीटगार्ड की मौजदूगी में फर्जी दस्तावेज तैयार करने के लिए 25 हजार रुपये प्रति गाड़ी का रेट तय किया गया। इस पूरी सौदेबाजी का वीडियो अब सार्वजनिक हो चुका है, जिसने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

फर्जी दस्तावेजों का 'जादू' और जंगलों की कटाई

दुर्गुकोंदल क्षेत्र में अवैध तस्करी का यह खेल नया नहीं है, बल्कि सालों से एक सुव्यवस्थित सिंडिकेट के रूप में चल रहा है। कार्यप्रणाली कुछ इस तरह है। दस्तावेजों में हेराफेरीः किसानों के खेतों से 'मालिक मलगुजा' के नाम पर फर्जी कागजात तैयार किए जाते हैं। जंगलों पर कुल्हाड़ीः इन फर्जी दस्तावेजों की आड़ में असल में जंगलों की कीमती लकड़ियों की कटाई की जाती है।

सुरक्षित परिवहनः विभाग की मिलीभगत से इन लकड़ियों को तस्करी कर बाहर भेजा जाता है। हैरानी की बात तो यह है कि यदि कभी कोई वाहन गलती से पकड़ा भी जाता है, तो ऊपर बैठे रसूखदारों के दबाव में उसे रातों-रात छोड़ दिया जाता है।

मिलीभगत से फल-फूल रहा है सिंडिकेट

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह भ्रष्टाचार केवल एक कर्मचारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नीचे से ऊपर तक के अधिकारियों और कर्मचारियों की मौन सहमति शामिल है। जिस तरह से एक कंप्यूटर ऑपरेटर खुलेआम सौदेबाजी कर रहा है, उससे साफहै कि उसे विभाग के भीतर बड़े अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है।

क्या होगी कार्रवाई?

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद अब गेंद उच्च अधिकारियों के पाले में है। क्या शासन-प्रशासन इस भ्रष्ट सिंडिकेट पर नकेल कसेगा या फिर हर बार की तरह मामला फाइलों में दबकर रह जाएगा? क्षेत्र की जनता अब जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही है।

जिले के कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कलेक्टर नम्रता जैन ने किया सम्मानित

नारायणपुर। जिले के कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आज जिला कार्यालय में कलेक्टर नम्रता जैन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर एवं पुस्तक भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा आगे भी निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कक्षा 10वीं से विश्वदीपति हाई स्कूल नारायणपुर की भाविका देवांगन 94.33 प्रतिशत, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर के छात्रा कविता कोर्राम 94 प्रतिशत, विश्वदीपति हाई स्कूल नारायणपुर के विद्यार्थी सिद्धार्थ सिंह राणा 93.50 प्रतिशत और अन्वेषा यादव 92.33 प्रतिशत, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर के अमित कुमार वड्डे 92 प्रतिशत एवं रोशन दुग्गा ने 89.67 प्रतिशत, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एड़का के कारण कुमार ने 89.33 प्रतिशत, शासकीय बुनियादी कन्या शिक्षा परिसर नारायणपुर के निर्मला ने 89.33 प्रतिशत, शासकीय बुनियादी आवासीय आदर्श बालक विद्यालय गरांजी के हिमांशु समर्थ ने 89.17 प्रतिशत, शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी मीडियम स्कूल सिंगोड़ीतराई के वर्षा निषाद ने 88.67 प्रतिशत, विश्वदीपति हाई स्कूल नारायणपुर के चंद्रकांता कश्यप ने 88.50 प्रतिशत शामिल रहे। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर की मुस्कान पटेल ने 92.60 प्रतिशत, शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी मीडियम स्कूल सिंगोड़ीतराई की मोक्षिता कश्यप ने 88.60 प्रतिशत, सरस्वती शिशु मंदिर नारायणपुर की रोशनी पांडे ने 88.60 प्रतिशत, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलगांव के रामसिंह उसेंडी ने 88.40 प्रतिशत, शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी मीडियम स्कूल सिंगोड़ीतराई के कुमकुम देवांगन ने 87.40 प्रतिशत, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द विद्यापीठ नारायणपुर की सावित्री ने 87 प्रतिशत, शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी मीडियम स्कूल महावीर चौक नारायणपुर की मुस्कान कोर्राम ने 86.60 प्रतिशत, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौड़ाई की राधिका पटेल ने 86.60 प्रतिशत, शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी मीडियम स्कूल सिंगोड़ीतराई के निखिल रावटे ने 86.20 प्रतिशत और दर्शिक काटले ने 85.80 प्रतिशत प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए समानित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर नम्रता जैन ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ने जिले का गौरव बढ़ाया है। भविष्य में भी इसी तरह मेहनत करते रहें और अपने परिवार, समाज एवं राज्य का नाम रोशन करें। कलेक्टर ने अपने छात्र जीवन के समय का साझा करते हुए बेहतर और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए।

जिले के टॉपर्स के घर पहुँची कलेक्टर, दी बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ

नारायणपुर। जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलेक्टर नम्रता जैन एवं जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो स्वयं उनके घर पहुँचीं और उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें मिठाई खिलाकर एवं पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया।

कक्षा 10वीं में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली विश्व दीप्ति हाई स्कूल की छात्रा भाविका देवांगन ने 94.33 प्रतिशत अंक अर्जित कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कलेक्टर ने भाविका की अध्ययन के प्रति लगन और समर्पण की प्रशंसा की। भाविका ने भविष्य में प्रोफेसर बनने की इच्छा व्यक्त की, जिस पर कलेक्टर ने उन्हें निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया और परिवार को भी बधाई दी। कक्षा 12वीं में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नारायणपुर की छात्रा मुस्कान पटेल ने 92.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कलेक्टर ने मुस्कान को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और आगे की पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली।

अमृत मिशन 2.0 में नई लापरवाही उजागर

गुणवत्ता हीन निर्माण के बाद बाल मजदूरी का मामला आया सामने. पालिका को भनक भी नहीं, उठे सतत निगरानी के दावे पर सवाल

कोण्डागांव। नगर पालिका क्षेत्र में संचालित अमृत मिशन 2.0 परियोजना अब लगातार विवादों में घिरती जा रही है। पहले से ही गुणवत्ताहीन निर्माण, अव्यवस्थित खुदाई, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और आम जनता की परेशानियों को लेकर सवालों के घेरे में रही इस योजना में अब बाल मजदूरी का गंभीर मामला भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, नगर पालिका क्षेत्र के डीएनके कॉलोनी में पाइप लाइन बिछाने के बाद सीमेंट कंक्रीट से गड्ढों को ढकने के कार्य के दौरान नाबालिग बालक बाल मजदूर से मजदूरी कराई जा रही है। सामने आए वीडियो में बाल मजदूर ने स्वयं को बंधापारा निवासी 16 वर्षीय बताया है। वह कोण्डागांव के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आठवीं उत्तीर्ण कर इस वर्ष नवमी कक्षा में प्रवेश लेने वाला छात्र है। नाबालिक बाल मजदूर के अनुसार, वह पिछले कई दिनों से निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा है, जिसके बदले उसे प्रतिदिन 700 से 750 रुपए तक भुगतान किया जा रहा है। बाल मजदूरी का मामला सामने आने के बाद नगर पालिका प्रशासन पर निगरानी व्यवस्था को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। नगर पालिका सीएमओ देवेश सिंह चंदेल ने कहा की उन्हें मामले की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है, मामले की जांच कर ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी, साथ ही बाल मजदूर को कार्य से पृथक किया जाएगा। हालांकि सवाल यह बना हुआ है कि पालिका क्षेत्र के भीतर लंबे समय से चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान अधिकारियों, इंजीनियरों और जिम्मेदार विभागीय अमले को इसकी भनक तक क्यों नहीं लगी। इसके साथ ही सतत निगरानी कर गुणवत्ता पूर्ण कार्य के दावे पर भी अब सवाल खड़े होने लगे है। गौरतलब है कि अमृत मिशन 2.0 के तहत कोसारटेडा बांध से कोण्डागांव नगर क्षेत्र तक जलापूर्ति व्यवस्था विकसित की जा रही है, लेकिन कार्य की धीमी गति, सड़क खुदाई में अव्यवस्था, क्षतिग्रस्त मार्ग, भूमिगत पाइपलाइन को नुकसान, सुरक्षा उपायों की कमी और अब बाल मजदूरी जैसे मामलों ने परियोजना की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि योजना में खुलेआम लापरवाही और भ्रष्टाचार हो रहा है, जबकि जिम्मेदार विभाग प्रभावी निगरानी में विफल साबित हो रहा है।

जनगणना 2027 कोंडागांव और केशकाल विधायक ने की स्व-गणना

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी और केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने जनगणना 2027 के अंतर्गत जनगणना पोर्टल पर स्वयं अपना फॉर्म भरकर स्व गणना की प्रक्रिया पूर्ण की। इस दौरान जिले के नागरिकों से भी स्व-गणना करने और जनगणना में अनिवार्य रूप से सहभागिता की अपील की गई। उल्लेखनीय है कि जनगणना 2027 अंतर्गत स्व-गणना की अवधि 16 से 30 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई है। नागरिक पोर्टल पर एसई आईडी के माध्यम से अपने मकान एवं परिवार संबंधी विवरण दर्ज कर सकते हैं।

देवजी पर तीखा हमला, सशस्त्र संघर्ष की फिर दोहराई रणनीति

माओवादी संगठन का बड़ा बयान: समर्पणवाद के खिलाफ जंग

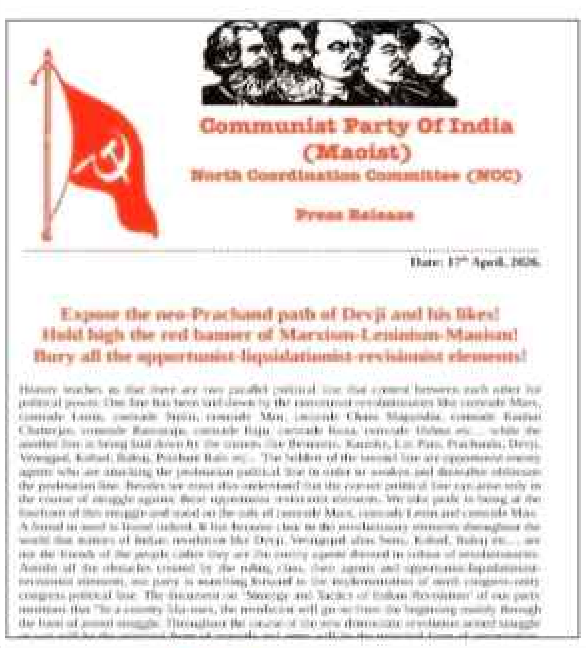
Communist Party Of India (Maoist)
North Coordination Committee (NCC)
Press Release
Date: 17th April, 2026.
Expose the neo-Prachand path of Devji and his likes!
Hold high the red banner of Marxism-Leninism-Maoism!
Bury all the opportunist-liquidationist-revisionist elements!

दंतेवाड़ा। दक्षिण बस्तर सहित नक्सल प्रभावित इलाकों में सक्रिय प्रतिबंधित माओवादी संगठन की नॉर्थ कोऑर्डिनेशन कमेटी (NCC) ने एक विस्तृत प्रेस विज्ञप्ति जारी कर संगठन के भीतर वैचारिक संघर्ष और आत्मसमर्पण करने वाले नेताओं पर तीखा हमला बोला है। जारी बयान में -देवजी- और उनके साथ जुड़े अन्य व्यक्तियों को सीधे तौर पर -समर्पणवादी- और -संशोधनवादी- बताते हुए संगठन ने उनके रास्ते को -नव-प्रचंडवाद- करार दिया है। माओवादी नेतृत्व ने दावा किया कि इस तरह की विचारधारा संगठन को कमजोर करने की साजिश है और इसे पूरी तरह खारिज किया जाना चाहिए।

सशस्त्र संघर्ष की नीति दोहराई-विज्ञप्ति में साफ तौर पर कहा गया है कि भारत जैसे देशों में क्रांति का रास्ता -सशस्त्र संघर्ष- ही है। संगठन ने अपने पुराने दस्तावेजों का हवाला देते हुए गुरिल्ला युद्ध को विस्तार देने और -जन सत्ता- स्थापित करने की बात दोहराई।साथ ही यह भी कहा गया कि संगठन भूमिगत ढांचे में ही कार्य करता रहेगा और किसी भी प्रकार के -कानूनी या खुली राजनीति- के रास्ते को खारिज करता है।

आत्मसमर्पण करने वालों पर सीधा हमला-माओवादी संगठन ने देवजी के आत्मसमर्पण को लेकर कहा कि अब उनका संगठन से कोई संबंध नहीं है। बयान में यह भी आरोप लगाया गया कि आत्मसमर्पण के बाद वे सरकार और -दुश्मन ताकतों- के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।संगठन ने ऐसे कदम को -लिक्विडेशनिज्म- यानी संगठन को खत्म करने की साजिश बताया और इसे खतरनाक विचारधारा करार दिया।

-विभाजन नहीं, वैचारिक लड़ाई- का दावा-कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में संगठन के अंदर विभाजन की बातों को खारिज करते हुए माओवादियों ने कहा कि पार्टी में कोई टूट नहीं है, बल्कि यह केवल -अवसरवादी और संशोधनवादी तत्वों- के खिलाफ वैचारिक संघर्ष है।उन्होंने 1970 के दशक के नक्सल आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा कि इस तरह के वैचारिक टकराव पहले भी होते रहे हैं और आगे भी होते रहेंगे।

क्षेत्र में बढ़ सकती है हलचल-इस बयान को सुरक्षा एजेंसियां गंभीरता से देख रही हैं। जानकारों का मानना है कि इस तरह के तीखे वैचारिक हमले और सशस्त्र संघर्ष की पुनः पुष्टि से बस्तर क्षेत्र में गतिविधियां तेज होने की आशंका बन सकती है। फिलहाल, यह प्रेस विज्ञप्ति माओवादी संगठन के अंदर चल रहे वैचारिक संघर्ष और आत्मसमर्पण की बढ़ती घटनाओं के बीच एक बड़े संकेत के रूप में देखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल एयरलाइंस ने मानी गलती: पहले नक्शे में जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग पाक में दिखाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राष्ट्रीय एयरलाइन को एक सोशल मीडिया पोस्ट में गंभीर

मानचित्रण (कार्टोग्राफिक) गलती के कारण माफी मांगनी पड़ी है। एयरलाइन ने अपनी नेटवर्क मैप वाली पोस्ट में जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखा दिया था, जिससे विवाद खड़ा हो गया। बुधवार को साझा किए गए इस नक्शे में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को गलत तरीके से दर्शाया गया था। जैसे ही यह पोस्ट सामने आई, सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे तथ्यात्मक रूप से गलत बताया। बढ़ते विरोध के बाद एयरलाइन ने तुरंत पोस्ट हटा दी। नेपाल एयरलाइन ने सोशल मीडिया एक्स पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि हम अपने सोशल मीडिया पर साझा किए गए नेटवर्क मैप में हुई गलती के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं। इस नक्शे में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को लेकर गंभीर त्रुटियां थीं, जो नेपाल या एयरलाइन के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शातीं। एयरलाइन ने यह भी बताया कि पोस्ट हटाने के साथ ही आंतरिक समीक्षा शुरू कर दी गई है, ताकि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न हो। एयरलाइन ने अपने बयान में यह भी कहा कि वह क्षेत्र के सभी पड़ोसी देशों के साथ मजबूत संबंधों को महत्व देती है और इस घटना से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची हो तो उसे लेकर खेद जताती है।

एक महीने के उच्च स्तर पर कच्चा तेल: यूएस ने ईरान पर नाकेबंदी को आगे बढ़ाने के दिए निर्देश

वाशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के जरिये आपूर्ति में लंबे समय तक बाधा की चिंताओं से बुधवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पांच फीसदी से अधिक बढ़कर एक महीने

के उच्च स्तर पर पहुंच गई। कच्चे तेल में उछाल का असर भारतीय रुपये पर भी देखने को मिला और यह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 94.88 पर बंद हुआ। दरअसल, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों को ईरान पर नाकेबंदी को और आगे बढ़ाने की तैयारी करने का निर्देश दिया है। इससे पश्चिम एशिया के इस अहम तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति में रुकावटें और लंबे समय तक बनी रहने की आशंका है। इस रिपोर्ट के बाद वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमतें 6.08 डॉलर या 5.5 फीसदी बढ़कर 117.34 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। यह 31 मार्च के बाद ब्रेंट क्रूड का एक महीने का उच्च स्तर है। यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 5.26 डॉलर या 5.3 फीसदी उछलकर 105.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। इसके साथ ही, तेल में आठ दिनों से तेजी का सिलसिला जारी है। क्रूड की कीमतों में उछाल के साथ विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी से भी बुधवार को रुपये में गिरावट आई। ?फॉरेक्स कारोबारियों ने कहा, क्रूड 115 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत के आयात खर्च पर असर पड़ने की आशंका है। पश्चिम एशिया संकट और इसके व्यापक संघर्ष में बदलने की आशंकाओं ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। आने वाले समय में रुपये में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.79 पर खुला और कारोबार के दौरान 94.88 के निचले स्तर तक गया। इससे पहले रुपया 27 मार्च को 94.85 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

होर्मुज सुरक्षा के लिए अमेरिका बनाएगा गठबंधन, वैश्विक व्यापार-ऊर्जा संकट से बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने एक बड़ी रणनीतिक पहल शुरू की है। व्हाइट हाउस अब एक नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को तैयार करने की कोशिश में है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रस्तावित योजना का नाम मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट (एमएफसी) रखा गया है। इसका मकसद विभिन्न देशों को एक साथ लाकर समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा को मजबूत करना है। इस योजना में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड मिलकर काम करेंगे। विदेश विभाग कूटनीतिक नेतृत्व करेगा, जबकि सेंट्रल कमांड समुद्री निगरानी और सूचना साझा करने का जिम्मा संभालेगा। वैश्विक देशों से समर्थन की अपील अमेरिका अपने साझेदार देशों से इस गठबंधन में शामिल होने की अपील कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह भी पूछा जा रहा है कि क्या देश इस पहल में राजनयिक या सैन्य साझेदार बनना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सामूहिक कार्रवाई से वैश्विक व्यापार मार्गों को सुरक्षित किया जा सकेगा और ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

ईरान के साथ तनाव और समुद्री टकराव: यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया है कि जब तक ईरान परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता, तब तक समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। वहीं ईरान की ओर से चेतावनी दी गई है कि इस नाकाबंदी का जवाब अभूतपूर्व कार्रवाई से दिया जाएगा।

आगे क्या हो सकता है?: अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चा है कि यह संघर्ष आगे बढ़कर या तो किसी नए परमाणु समझौते में बदल सकता है या फिर लंबा सैन्य तनाव बन सकता है। फिलहाल, दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या यह नया गठबंधन समुद्री व्यापार को स्थिर कर पाएगा या नहीं।

कतर जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर, एक मई से हमाद एयरपोर्ट के लिए शुरू होंगी उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप सरकार द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को लेकर संसद में तीखी बहस देखने को मिली। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ जब कांग्रेस के सामने पेश हुए, तो विपक्षी नेताओं ने युद्ध के खर्च और उद्देश्य पर सवाल उठाए। इस युद्ध पर अब तक करीब 25 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। कई सांसदों ने आरोप लगाया कि बिना संसद की मंजूरी के युद्ध शुरू करना गलत है। वहीं सरकार का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी भी खतरा बना हुआ है। हालांकि फिलहाल संघर्षविराम लागू है, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस मुद्दे पर अमेरिका की राजनीति में भी मतभेद साफ नजर आ रहे हैं। एक मई से दोहा के लिए फिर शुरू होंगी भारतीय विमान सेवाएं कतर में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म x पर एक जरूरी जानकारी साझा की है। भारतीय एयरलाइंस अब दोहा के हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अपनी सेवाएं फिर से शुरू करने की तैयारी में हैं। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो एक मई 2026 से दोहा और भारत के अलग-अलग शहरों के बीच अपनी उड़ानें फिर से शुरू करने की योजना बना रही हैं। दूतावास ने बताया कि उड़ानों का यह संचालन संबंधित अधिकारियों और एयरलाइन पार्टनर्स के साथ तालमेल बिठाकर किया जा रहा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उड़ानों के समय, बुकिंग और अन्य जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस के लगातार संपर्क में रहें। यह फैसला क्षेत्र में विमान सेवाओं के लगातार हो रहे विस्तार को देखते हुए लिया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को फिर से सुरक्षित बनाने पर बात हुई। अमेरिका और ईरान के बीच अभी अस्थायी युद्धविराम चल रहा है। इस कारण फिलहाल जंग रुकी हुई है। लेकिन इलाके में तनाव अब भी बना हुआ है। दोनों पक्षों के बीच अभी तक कोई पक्का समाधान नहीं निकल पाया है।

ट्रंप को धमकी देने के आरोप में फंसे एफबीआई के पूर्व प्रमुख, ट्रंप बोले- जेम्स कोमी बुरे और भ्रष्ट आदमी हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एफबीआई के पूर्व प्रमुख जेम्स कोमी पर बुधवार को तीखा हमला बोला और जेम्स कोमी को बुरा और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी बताया। जेम्स कोमी, डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की कथित धमकी देने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जेम्स कोमी ने एक रहस्यमयी पोस्ट किया था, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप को धमकाने के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रंप ने जेम्स कोमी को लेकर क्या कहा: डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अगर कोई भी अपराध के बारे में जानता है तो उन्हें पता होगा कि 86 का मतलब क्या होता है। इसे अपराध की भाषा में हत्या करने के तौर पर देखा जाता है। आपने फिल्मों में देखा होगा कि अपराधी अपने सहयोगियों से किसी के लिए कहते हैं कि उसकी हत्या कर दो और इसके लिए 86 नंबर का इस्तेमाल करते हैं।' ट्रंप ने कहा कि उनकी जान खतरे में थी और जेम्स कोमी जैसे लोग खतरनाक हो सकते हैं। जेम्स कोमी एक बुरे और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी की। उन्होंने हिलेरी क्लिंटन की मदद की। जेम्स कोमी, अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं और साल 2017 में ट्रंप ने उन्हें पद से हटा दिया था। बीते साल मई में जेम्स कोमी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में पत्थरों की एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें पत्थरों को इस तरह से रखा गया था कि वे '86 47' नंबर दर्शा रहे थे। इसे राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी माना गया। आपराधिक और कानूनी जगत में 86 नंबर को हत्या करने के कोडवर्ड के रूप में जाना जाता है। वहीं 47 को डोनाल्ड ट्रंप से जोड़ा जा रहा है क्योंकि वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं। हालांकि जेम्स कोमी ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि वे निर्दोष हैं और उन्हें किसी का डर नहीं है। कोमी ने न्याय विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और कहा कि न्याय विभाग ऐसे काम नहीं करता। इसी पोस्ट के लिए अमेरिका के न्याय विभाग ने जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसकी सुनवाई उत्तरी कैरोलिना की संघीय अदालत में हो रही है। राष्ट्रपति को धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज होने के बाद बुधवार को जेम्स कोमी ने आत्मसमर्पण कर दिया। हालांकि 10 मिनट सुनवाई के बाद उन्हें जाने दिया गया। फिलहाल अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तय नहीं की है।

ट्रंप ने होर्मुज का नाम बदलकर 'ट्रंप जलडमरूमध्य' किया, सोशल मीडिया पोस्ट पर मचा बवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ ऐसा कर दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप जलडमरूमध्य कर दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट को री-पोस्ट किया, जिसमें होर्मुज की तस्वीर को ट्रंप जलडमरूमध्य दिखाया गया है। हालांकि जिस यूजर की पोस्ट को ट्रंप ने री-पोस्ट किया है, वह पोस्ट नहीं दिख रही है।

पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान की खाड़ी के बीच में स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन समुद्री मार्गों में से एक है। इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवन रेखा माना जाता है। दुनिया का करीब 20-30 प्रतिशत कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। ईरान अमेरिका और इस्राइल युद्ध के चलते ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई और दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल आया। अब अमेरिका ने भी होर्मुज की नाकाबंदी कर दी है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम चल रहा है, लेकिन अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी की हुई है। ईरान ने समझौते के लिए होर्मुज को खोलने का प्रस्ताव दिया है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने होर्मुज की नाकाबंदी को सही बताते हुए कहा कि 'नाकाबंदी, बमबारी से ज्यादा प्रभावी है। ईरान बुरी तरह फंसा हुआ है और उनका दम घुट रहा है। अभी उनकी स्थिति और खराब होगी।' ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज नाकाबंदी से ईरान पर भारी दबाव पड़ रहा है और वे जल्द से जल्द समझौता करना चाहते हैं। हालांकि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बंद कराने की मांग पर अड़े हैं। इससे गतिरोध की स्थिति पैदा हो गई है। ट्रंप सरकार का मानना है कि होर्मुज की नाकाबंदी से ईरान तेल की आपूर्ति नहीं कर पाएगा और इससे ईरान अंदरूनी तौर पर कमजोर होगा।

13 वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले को फांसी: 50 साल बाद मिला न्याय, दोषी को दिया जाएगा मौत का इंजेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में लगभग पांच दशक पुराने जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिए गए जेम्स अर्नेस्ट हिचकॉक को आज शाम मौत की सजा दी जाएगी। 70 वर्षीय हिचकॉक को 13 वर्षीय सौतेली भतीजी के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया था। कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, 31 जुलाई 1976 को हिचकॉक अपने भाई के घर में रह रहा था। घटना वाले दिन वह दोस्तों के साथ कई घंटों तक शराब पीने और मारिजुआना का सेवन करने के बाद घर लौटा। इसके बाद उसने 13 वर्षीय मासूम के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने कहा कि वह घायल है और अपनी मां को सब कुछ बताएगी, तो हिचकॉक ने उसे कमरे से बाहर जाने से रोकने की कोशिश की और फिर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, वह लड़की को घर के बाहर ले गया, जहां उसने उसे पीटा और गला दबाया, जब तक कि वह पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हो गई। इसके बाद उसने शव को पास की झाड़ियों में फेंक दिया। वारदात के बाद हिचकॉक घर लौटा, नहाया और सो गया।

ट्रायल के दौरान बदला बयान

ट्रायल के दौरान हिचकॉक ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि हत्या उसने नहीं बल्कि उसके भाई ने की थी। उसने दावा किया कि लड़की के साथ सहमति से संबंध बनाने के बाद उसका भाई कमरे में आया, उसे बाहर ले गया और गुस्से में उसकी पिटाई व गला घोंटकर हत्या कर दी। हिचकॉक ने कहा कि उसने अपने भाई को बचाने के लिए पहले अपराध अपने ऊपर लिया था। हिचकॉक को 1977 में पहली बार मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अपीलों और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते उसे 1988, 1993 और 1996 में दोबारा मौत की सजा सुनाई गई। हाल ही में फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी रोकने की अपील खारिज कर दी। उसके वकीलों ने दलील दी थी कि वह निर्दोष है और राज्य ने उसे मृत्युदंड से जुड़े सार्वजनिक रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं दी, जिससे उसके बचाव का अधिकार प्रभावित हुआ। फिलहाल उसकी अंतिम अपील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। यह इस साल फ्लोरिडा में छठी फांसी होगी। राज्य के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के कार्यकाल में 2025 में रिकॉर्ड 19 लोगों को फांसी दी गई थी, जो 1976 में मृत्युदंड बहाल होने के बाद किसी भी साल में सबसे ज्यादा है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच हिंद-प्रशांत में चीनी सैन्य ताकत से बढ़ी टेंशन, अमेरिकी सांसदों ने जाहिर की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में अमेरिकी संसद के भीतर इन दिनों वैश्विक रणनीतिक संतुलन को लेकर गंभीर बहस चल रही है। सांसदों ने चिंता जताई है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सैन्य गतिविधियों के बीच हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत अमेरिका की दीर्घकालिक रणनीति को प्रभावित कर सकती है। यह चर्चा उस समय हो रही है जब अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर सैन्य और कूटनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता पर सवाल

अमेरिकी सांसदों ने पेंटागन बजट सुनवाई के दौरान कहा कि चीन अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा, बल्कि वह तेजी से वैश्विक सैन्य ताकत के रूप में उभर रहा है। चीन लगातार अपने नौसैनिक बेड़े, मिसाइल तकनीक और अंतरिक्ष क्षमताओं में निवेश बढ़ा रहा है, जिससे प्रशांत महासागर में शक्ति संतुलन बदल रहा है।

पश्चिम एशिया तनाव का असर

सांसदों ने यह भी चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य तैनाती बढ़ने से हिंद-प्रशांत में तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता कमजोर हो सकती है। उनका कहना है कि अगर अमेरिका का ध्यान इस क्षेत्र से हटता है, तो चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का और अवसर मिल सकता है। सुनवाई में समिति अध्यक्ष माइक डी. रोजर्स ने कहा कि अमेरिका इस समय अभूतपूर्व वैश्विक

खतरे का सामना कर रहा है, जिसमें चीन सबसे बड़ा चुनौतीकर्ता है। वहीं जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन ने कहा कि सैन्य तैनाती हमेशा जोखिम और प्राथमिकताओं के आधार पर संतुलित की जाती है।

रणनीतिक संतुलन की चुनौती

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सरकार की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना दुनिया भर में एक साथ कई खतरों से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि मौजूदा नीति का उद्देश्य तात्कालिक सुरक्षा और दीर्घकालिक रोकथाम दोनों को संतुलित रखना है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह मिडिल ईस्ट और हिंद-प्रशांत दोनों क्षेत्रों में समान रूप से प्रभाव बनाए रखे।

भारत को 'कोहिनूर' लौटाएगा ब्रिटेन?: किंग चार्ल्स से न्यूयॉर्क के मेयर की अपील; ममदानी के बयान से चर्चाएं तेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से चल रहे एक ऐतिहासिक विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर उन्हें ब्रिटेन के राजा राजा चार्ल्स तृतीय से मिलने का मौका मिलता है, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की मांग करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मेयर ममदानी से पूछा गया कि वे राजा से क्या कहेंगे, तो उन्होंने बिना किसी औपचारिक बात के सीधे इस मुद्दे को उठाया। उनका कहना था कि कोहिनूर सिर्फ एक हीरा नहीं, बल्कि भारत के इतिहास, गौरव और ब्रिटिश शासन के दौरान हुए अन्याय का प्रतीक है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क में 9/11 स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के दौरान राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद कहा, 'अगर मुझे राजा से अलग से बात करने का मौका मिलता, तो मैं शायद उन्हें कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता।' दरअसल, कोहिनूर हीरा भारत के आंध्र प्रदेश के कोल्लूर खान से निकला था और यह कई भारतीय शासकों, मुगलों और सिखों, के पास रहा। लेकिन साल 1849 मेंद्वितीय एंग्लो-सिख युद्ध के बाद अंग्रेजों ने इसे अपने कब्जे में ले लिया। उस समय मात्र 10 साल के महाराजा दलीप सिंह से एक समझौते पर हस्ताक्षर करवाकर यह हीरा ब्रिटेन ले जाया गया। आज यह हीरा लंदन के लंदन के टॉवर में रखा हुआ है और ब्रिटिश शाही ताज का हिस्सा है। भारत लंबे समय से इसे वापस लाने की मांग करता रहा है और इसे 'लूटी गई धरोहर' मानता है। मेयर ममदानी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब किंग चार्ल्स न्यूयॉर्क के वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 11 सितंबर 2001 के हमलों की 25वीं बरसी के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। इस कार्यक्रम में खुद ममदानी भी मौजूद रहेंगे। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी का भारत से भी गहरा रिश्ता है। उनकी मां मीरा नायर भारत में जन्मी हैं। ऐसे में उनका यह बयान सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और ऐतिहासिक जुड़ाव को भी दर्शाता है। यह बहस तेज हो गई है कि क्या ब्रिटेन को अपने कब्जे में रखी ऐतिहासिक वस्तुएं; जैसे कोहिनूर - उन देशों को वापस कर देनी चाहिए, जहां से वे लाई गई थीं।

लंदन में यहूदियों पर चाकू से हमला; पुलिस ने मानी आतंकी घटना, पीएम स्टार्मर ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर हुए एक हमले ने ब्रिटेन में सुरक्षा और बढ़ते एंटी-सेमिटिज्म को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दो यहूदी राहगीरों को घायल कर दिया। ब्रिटिश काउंटर-टेररिज्म पुलिस ने इस घटना को आतंकी हमला करार दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने घटना पर गहरी चिंता जताई।

घटना दिन में हुई, जब एक 45 वर्षीय हमलावर कथित तौर पर गोल्डर्स ग्रीन रोड पर चाकू लेकर दौड़ता हुआ यहूदी लोगों को निशाना बना रहा था। सामुदायिक निगरानी समूह शोमरिम ने सोशल मीडिया पर बताया कि आरोपी सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी नागरिकों को ढूंढकर हमला करने की कोशिश कर रहा था, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावर ने पुलिस अधिकारियों पर भी हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने टेजर का इस्तेमाल कर उसे काबू में लिया और गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हत्या के प्रयास के आरोप में हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कमिश्नर मार्क रोवली के अनुसार आरोपी का गंभीर हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा पुराना रिकॉर्ड रहा है। हमले में घायल दो लोगों की उम्र

76 और 34 वर्ष बताई गई है। दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति स्थिर है।

इस घटना के बाद आपातकालीन कोबरा बैठक भी बुलाई गई। लंदन के मेयर सादिक खान ने कहा कि राजधानी में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किए जा रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और समाज में इस तरह की नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

गृह सचिव और किंग चार्ल्स तृतीय ने जताई चिंता

ब्रिटेन की गृह सचिव शबाना महमूद ने बताया कि प्रभावित इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार यहूदी समुदाय की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार, किंग चार्ल्स तृतीय, जो इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं, उन्हें भी इस घटना की पूरी जानकारी दी गई है और उन्होंने इस पर गहरी चिंता जताई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब हाल के महीनों में लंदन में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 23 मार्च को गोल्डर्स ग्रीन में स्वयंसेवकों द्वारा संचालित चार एंबुलेंसों में आग लगा दी गई थी, जिससे धमाके भी हुए थे। इस मामले में तीन लोगों पर आरोप तय किए गए हैं। इसके अलावा, हाल ही में उसी इलाके में एक मेमोरियल वॉल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, जिसकी जांच फिलहाल काउंटर-टेररिज्म पुलिस कर रही है। 21 अप्रैल को पुलिस ने यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर आगजनी की साजिश रचने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया था। इसी दिन एक 17 वर्षीय किशोर ने केंटन स्थित एक सिनेगॉग पर पेट्रोल बम से हमला करने की बात स्वीकार की थी।

इन तरीकों से कमजोर होता है आपका दिल

आपका दिल दो तरह से सेहतमंद होता है और मुख्य रूप से दो तरीकों से ही कमजोर होता है। हेल्दी कार्डियोवस्कुलर हेल्थ के लिए जरूरी है कि आप शारीरिक रूप से भी अपने दिल को मजबूत रखें और भावनात्मक रूप से भी। क्योंकि इन दोनों में से कोई एक भी कमजोरी आपके दिल को बीमार करने के लिए काफी है।

इस तरह दूर होती हैं ये कमजोरी

- हार्ट को भावनात्मक कमजोरी से मुक्ति दिलाने के लिए आपको मानसिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है। इस काम में योग और ध्यान आपकी बहुत मदद करेंगे।
- वहीं, शारीरिक और क्रियान्वयन के तरीकों से दिल को मजबूत रखने के लिए आपको अपने भोजन में कुछ खास चीजों को शामिल करने की जरूरत है। ताकि आपकी नसों में वसा का जमाव ना हो और आपके हार्ट की पंप करने की शक्ति लगातार बनी रहे।

ये चीजें खाना है जरूरी

- उन लोगों के दिल की धड़कनें एक रिद्म में रहती हैं, जो इन फूड्स को नियमित रूप से खाते हैं। ऐसा सिर्फ हम नहीं कह रहे हैं बल्कि आप खुद भी कहेंगे, जब ऐसा भोजन करनेवाले लोगों की फिजिकल और मेंटल फिटनेस को देखेंगे।
- जो लोग अपनी डायट में उबली हुई सब्जियों का सेवन करते हैं, उनके शरीर पर एक्स्ट्रा फैट जमा नहीं हो पाता है। साथ ही उनका पाचनतंत्र भी बहुत अच्छी तरह काम करता है। इस कारण उनकी ब्लड वेसल्स एकदम साफ और हेल्दी होती है।

दही खाने से भी होता है लाभ

- गर्मी के मौसम में और सर्दियों के मौसम में दोपहर के समय भोजन या स्नैक्स के साथ दही का सेवन करना बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही आपके शरीर की नसों को अंदर से पोषण देने का काम करती है। साथ ही आपकी अंदरूनी और बाहरी त्वचा को अधिक सपल बनाती है।
- दही में पाए जानेवाले हेल्दी बैक्टीरिया आपकी आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को पोषण देने और उनकी संख्या में वृद्धि करने का काम करते हैं। इससे आपका खाया हुआ भोजन अच्छी तरह पचता है और शरीर को सही मात्रा में पोषण मिलता है। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह सही बना रहता है और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है।

खाएं फ्रूट्स और ड्राई फ्रूट्स

- आपकी कार्डियोवस्कुलर हेल्थ के लिए नट्स यानी ड्राई फ्रूट्स का सेवन बहुत जरूरी है। भीगे हुए बादाम आपके दिल की सेहत को सही रखने में सहायक है। इसके साथ ही काजू, किशमिश, अखरोट, खुमानी आदि खाने से दिल बहुत सेहतमंद रहता है।

डेयरी प्रॉडक्ट्स

- डेयरी प्रॉडक्ट्स यानी दूध, घी, पनीर और छाछ सभी हमारे दिल की कार्य प्रणाली को सुचारू बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। आमतौर पर घी के सेवन को दिल की सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। लेकिन यह बात गाय के शुद्ध देसी घी पर लागू नहीं होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार, गाय का देसी घी खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्वों की प्राप्ति होती है। हृदय को स्ट्रोक और अटैक का खतरा कम होता है। गाय का घी आपकी नसों में स्टोर नहीं होता है। बल्कि सुपाच्य होने के कारण यह शरीर की आंतरिक और बाह्य त्वचा को पोषण देने का काम करता है।

सेहत खराब कर सकते हैं केमिकल से पके हुए आम, कैसे करें पहचान

आम के शौकीन लोग गर्मियों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। यही वो मौसम होता है जब फलों का राजा आम हर किसी को अपने रसीले मीठे स्वाद और खुशबू से अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन समस्या तब होने लगती है जब आम को समय से पहले पकाने के लिए केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। केमिकल से पके हुए आम का सेवन करने से व्यक्ति को कई तरह की सेहत से जुड़ी समस्याएं तक हो सकती हैं। ऐसे में सेहत से जुड़े इस खतरे को पहचानने के लिए आइए आपको बताते हैं कैसे की जा सकती है केमिकल से पके आमों की पहचान और केमिकल से पके आम को खाने से सेहत को होता है क्या नुकसान।

नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्याएं

केमिकल से पकाए गए आम खाने से नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कई शोध और अध्ययन इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि आम को पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हानिकारक रसायन नर्वस सिस्टम डिसऑर्डर की समस्या पैदा कर सकते हैं। कार्बाइड का इस्तेमाल कर पकाए गए आम का सेवन करने से ब्रेन डैमेज होने का भी खतरा बना रहता है।

सर्वाइकल कैंसर

हानिकारक रसायनों की सहायता से पकाए हुए आम को खाने से कोलन कैंसर, स्किन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर का खतरा भी बना रहता है।

पेट से जुड़ी समस्याएं

समय से पहले आम को जल्दी पकाने के लिए कार्बाइड जैसे हानिकारक केमिकल का इस्तेमाल किया है। ऐसे में इस केमिकल से पकाए गए आम का सेवन करने से पेट से जुड़ी गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

स्किन से जुड़ी दिक्कत

केमिकल से पकाए गए आम खाने से कई बार स्किन से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं।

कैसे करें केमिकल से पके आम की पहचान

- प्राकृतिक रूप से पके हुए आम का रंग हल्का हरा और पीला होता है। लेकिन केमिकल की सहायता से पकाए गए आम की सतह एकदम पीली और चमकदार दिखती है और इसपर हल्के हरे रंग के पैच दिखाई देते हैं।
- आम को पानी की बाल्टी में डालने पर जो आम पानी में डूब जाए वे अच्छे और प्राकृतिक रूप से पके हुए होते हैं। लेकिन जो आम पानी के ऊपर तैर रहे होते हैं उन्हें आर्टिफिशियल रूप से पकाया गया होता है।
- केमिकल से पकाए गए आम का सेवन करने पर मुंह में हल्की सी जलन महसूस होती है जबकि सामान्य तरीके से पके हुए आम खाने पर ऐसा महसूस नहीं होता है। इसके अलावा केमिकल से पके हुए आम का आकार भी छोटा होता है और इनमें से रस टपकता हुआ नजर आता है।
- प्राकृतिक रूप से पके हुए आम का स्वाद मीठा होता है। जबकि केमिकल से पकाए गए आम का स्वाद हल्का या अजीब भी हो सकता है। अगर कुछ दिन में ही आम का स्वाद खराब हो जाता है तो यह केमिकल से पका हुआ आम हो सकता है। इस तरह के आम खाने से कई बार पेट दर्द, दस्त और उल्टी जैसी समस्याएं भी होती हैं।

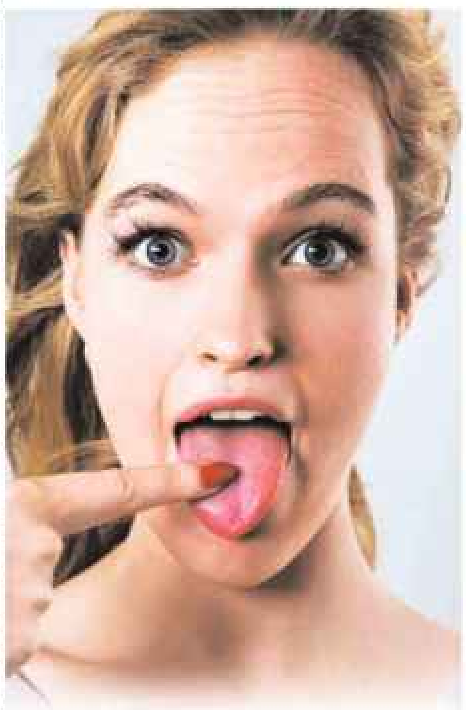

इस खास वजह से सूखता है लोगों का मुंह

गर्मियां में अक्सर कई लोग मुंह सूखने की शिकायत करने लगते हैं। लेकिन क्या आप वाकई मुंह सूखने की असली वजह जानते हैं?

दरअसल, शरीर में पानी की कमी, डायबिटीज, नर्व डैमेज, तंबाकू, शराब और अधिक दवाओं का सेवन करने से भी व्यक्ति का मुंह सूखने लगता है। अगर आपको भी कभी इस तरह की समस्या परेशान करे तो आप ये कुछ घरेलू उपाय आजमाकर इस परेशानी से राहत पा सकते हैं।

खूब पानी पिएं

कई बार शरीर में पानी की कमी होने की वजह से भी मुंह सूखने लगता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को डिहाइड्रेशन की समस्या भी हो सकती है। इस समस्या से बचने के लिए खूब पानी पिएं।

ओरल हाइजीन है जरूरी

कई बार मुंह सूखने का एक कारण बैक्टीरियल और संक्रमण से जुड़ी समस्या भी हो सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए आपको ओरल हाइजीन का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। इस समस्या से बचने के लिए रोजाना दांतों को ब्रश करें, जीभ की अच्छे से सफाई करें।

अदरक

अदरक का सेवन करने से लार ग्रंथियों को उत्तेजित करने में मदद मिलती है, जो लार के उत्पादन को बढ़ावा देता है। इस उपाय को करने से मुंह सूखने की परेशानी कम की जा सकती है।

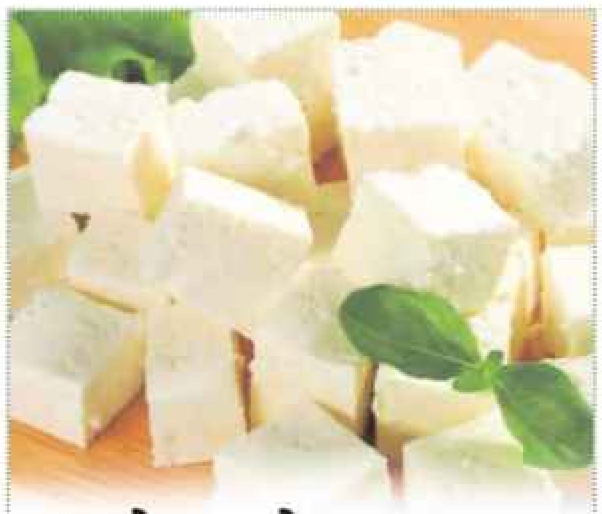

स्ट्रेस को दूर रखता है कच्चा पनीर

घर पर मेहमान आ रहे हो या फिर कुछ स्पेशल खाने का करें मन, पनीर का ऑप्शन हर समय आपके पास खुला होता है। पनीर का स्वाद लोगों को इतना पसंद होता है कि इसे हर उम्र के लोग खाना पसंद करते हैं।

वेट लॉस

पनीर का सेवन करके आप अपना वजन कम और ज्यादा दोनों कर सकते हैं। ये दोनों के लिए ही बहुत लाभकारी हो सकता है। इसमें मौजूद लीनेलाइक एसिड शरीर में फैट बर्निंग प्रक्रिया को तेज करने में मदद कर सकता है। अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए आपके पनीर की सही मात्रा का सेवन करना है।

स्ट्रेस रखें दूर

आज ज्यादातर लोग स्ट्रेस की शिकायत करते हैं। इससे बचने के लिए आपको हेल्दी डाइट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में कच्चे पनीर का सेवन इस समस्या से बचाने में मदद कर सकता है।

पनीर में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, हेल्दी फैट्स, जिंक, मैग्नीशियम, प्रोटीन, सेलेनियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो व्यक्ति को कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। पनीर में मौजूद पोटेशियम मेमोरी शार्प करने तो सेलेनियम प्रजनन क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। लेकिन आज बात पके हुए पनीर की नहीं बल्कि कच्चे पनीर को खाने से मिलने वाले फायदे की हो रही है।

हड्डियां रखें मजबूत

अगर आपको जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है तो अपनी डाइट में कच्चे पनीर को शामिल करें। कैल्शियम और फॉस्फोरस से भरपूर पनीर हड्डियों को कमजोर होने से बचाने में मदद करता है।

इम्यूनिटी करें बूस्ट

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर पनीर इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करता है। यह संक्रमण से बचाव और उससे जल्दी रिकवरी में भी मदद करता है।

ब्लड प्रेशर रखे कंट्रोल

पनीर में मौजूद पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम बीपी को नॉर्मल बनाए रखने में मदद करते है।

त्वचा और बालों को रखें सेहतमंद

पनीर में मौजूद हाई क्वालिटी प्रोटीन त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

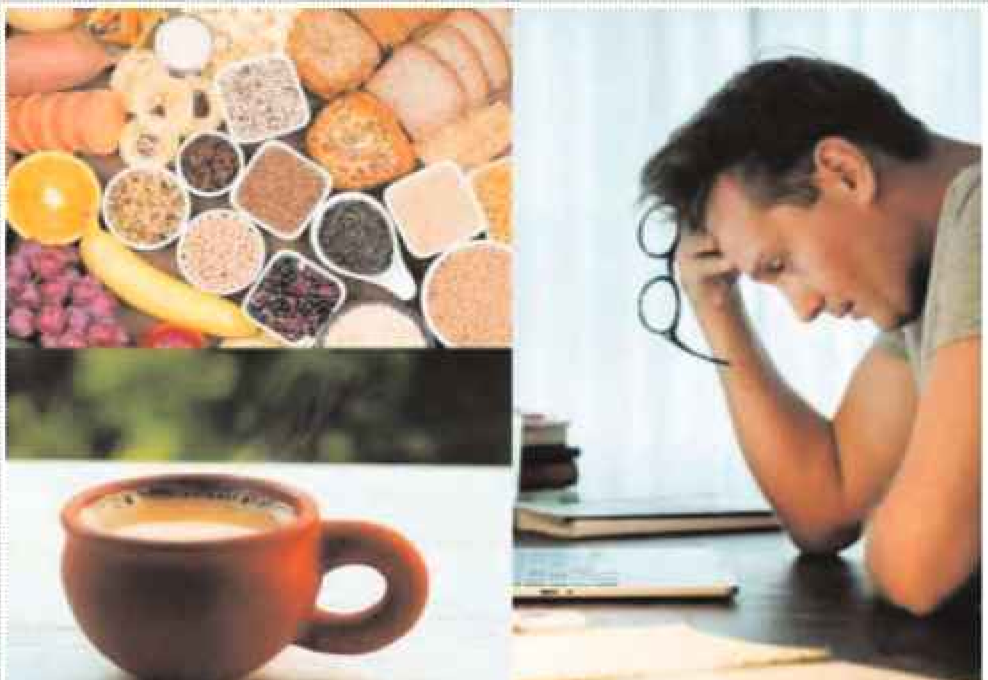

टेंशन और डिप्रेशन बढ़ाते हैं ये फूड

मौजूदा दौर में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं होना कोई नई बात नहीं है। आधुनिक युग में ये परेशानियां काफी प्रचलित हो गई हैं, खुशी से ज्यादा लोग अब टेंशन में डूबे दिखते हैं। वास्तव में चिंता और तनाव का कोई इलाज नहीं है। क्योंकि ऐसे तमाम लोग हैं जिन्होंने थेराप्यूटिक यानी चिकित्सा का सहारा भी लिया, लेकिन अपने मानसिक स्वस्थ्य को बनाए रखने में असफल हैं। ऐसे में हमें इस समस्या का समाधान खुद से ही खोजना होगा।

बहुत कम लोगों को पता है कि डेली रूटीन में खाए जाने वाले फूड आइटम्स भी टेंशन और स्ट्रेस का कारण होते हैं। लिहाजा उन खाद्य पदार्थों के बारे में जानकर चौंकें नहीं, जो तनाव को बढ़ावा देते हैं या मानसिक स्थिति को खराब करते हैं; जिनका आप रोजाना सेवन करते हैं। यहां हम इन ऐसे ही खाद्य पदार्थों की सूची जारी कर रहे हैं जिनके सेवन से आपकी टेंशन और तनाव को बढ़ावा मिलता है।

रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट

हृदय की समस्याओं, मधुमेह या मोटापे के बढ़ते जोखिम का एक सॉलिड रीजन रिफाइंड कार्बोहाइड्रेड है। मानसिक स्वास्थ्य संगठन के एक शोध ने साबित किया कि रिफाइंड चीनी सहित रिफाइंड कार्ब्स के सेवन से चिंता और अवसाद दोनों का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो जल्द ही सफेद आटा, सफेद ब्रेड, सफेद चावल, एगेव चीनी, सिरप, कन्फेक्शनरी प्रोडक्ट्स प्रोसेस्ड स्नैक्स, पास्ता आदि के उपयोग को छोड़ने का प्रयास करें। इनकी बजाए आप हेल्दी आहार के तौर पर ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ, अनाज, साबुत ब्रेड या अंकुरित गेहूं के आटे का प्रयोग करें।

कैफीनयुक्त पेय पदार्थ

कैफीन युक्त ड्रिंक के सेवन से भी चिंता, तनाव और अनिद्रा की समस्या होती है। थोड़ी मात्रा में कैफीन का सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता, लेकिन अगर आप इसे अधिक मात्रा में लेते हैं तो जल्द ही चिंता, तनाव का शिकार हो सकते हैं। यह मत भूलिए कि सामान्य चाय, कुछ चॉकलेट और यहां तक कि फ्लेवर्ड केक में भी कैफीन होता है। इसके बजाय आपको हर्बल टी, पुदीना, नींबू या नारियल पानी का विकल्प चुनना चाहिए।

शराब

शराब लिवर ही नहीं बल्कि पूरे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। बहुत से लोग ब्रेकअप, मिजाज या गुस्से को दूर करने के लिए शराब का सहारा लेते हैं। वे इसे मूड ठीक करने का एक बढ़िया सोर्स मानते हैं लेकिन इसके विपरीत हमारी सेहत को खराब कर देती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शराब दिमाग में सेरोटोनिन और न्यूरोट्रांसमीटर की एक्टिविटी को बदल देती है जिससे चिंता बढ़ जाती है। इसकी बजाए आपको मोजितो या मॉकटेल या गैर-अल्कोहल बियर का सेवन करना चाहिए।

ट्रांस फैट

हर बार जब आप चिप्स या चिकन नगेट्स का पैकेट खोलते हैं, तो याद रखिए इससे आपकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। तेल से तले खाद्य पदार्थों की बजाए आपको घी, मक्खन जैसे संतृप्त वसा से बने स्नैक्स का सेवन करना चाहिए।

चीनी युक्त खाद्य पदार्थ

मीठे खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा यानी ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं जो हमारे एनर्जी लेवल को भी प्रभावित करते हैं। यहां तक कि मूड को भी इंबैलेंस कर सकते हैं जिससे टेंशन बढ़ती है। इसलिए आपको ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन भी बंद करना चाहिए जिनमें चीनी की अत्यधिक मात्रा हो। प्राकृतिक चीनी के विकल्प में आप एरिथ्रिटोल और याकॉन सिरप से बने प्रोडक्ट्स का उपयोग करने का प्रयास करें। प्राकृतिक फलों और सब्जियों का रस चीनी से बने खाद्य पदार्थों से कहीं बेहतर हैं।

अधिक मात्रा में नमक

शरीर में अतिरिक्त सोडियम गुर्दे के साथ-साथ तंत्रिका तंत्र को भी हानि पहुंचा सकता है। नमक मूड विकारों जैसे मूड स्विंग, टेंशन, तनाव और अवसाद, यहां तक कि थकान को भी जन्म दे सकता है। इसलिए नमक का सेवन कम से कम करें।

सुशासन तिहार और जनगणना को लेकर कलेक्टर ने दी पत्रकारों को जानकारी

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता मे आज कलेक्टेरट के दिशा सभाकक्ष मे सुशासन तिहार 2026 एवं जनगणना 2027 के संबंध मे प्रेस वार्ता आयोजित हुई 7 कलेक्टर ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों ही पहले शासन की पारदर्शिता, जवाबदेही और जनकेंद्रित प्रशासन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती प्रेमलता पदमाकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार जनसमस्याओं के समाधान का अभियान

कलेक्टर ने बताया कि सुशासन तिहार 2026 शासन की सकारात्मक सोच का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों तक प्रशासन की पहुंच को आसान और प्रभावी बनाना है। इस अभियान के तहत 30 अप्रैल तक सभी विभागों द्वारा योजनाओं के आवेदनों का संतृप्तिकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि इस पहल का मूल उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण करना, शासकीय योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना और शासन को सीधे जन-जन तक ले जाना है।

जिले में 38 जनसमस्या निवारण शिविर

कलेक्टर ने बताया की जिले में इस अभियान के अंतर्गत कुल 38 जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें 23 शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में और 15 शिविर 11 नगर पंचायतों के नगरीय क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। ये शिविर 01 मई से 10 जून 2026 के बीच आयोजित होंगे।

थीम आधारित नवाचार से समाधान में तेजी

इस वर्ष भी शिविरों को थीम आधारित बनाया गया है, जिससे विभागवार समस्याओं का बेहतर समाधान हो सके। प्रत्येक शिविर के लिए एक नोडल विभाग निर्धारित किया गया है, जिससे कार्यों में समन्वय, जवाबदेही और त्वरित निराकरण सुनिश्चित होगा।

आवेदन प्रक्रिया और नागरिकों से अपील

कलेक्टर ने बताया कि शिविरों मे नागरिकों से सीधे आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक समस्या के लिए एक ही आवेदन प्रस्तुत करें तथा आवेदन में सभी आवश्यक जानकारी स्पष्ट रूप से भरें। शिविर स्थल पर आवेदन प्रारूप उपलब्ध रहेगा, जिससे किसी को असुविधा न हो।

एक माह में निराकरण सतत मॉनिटरिंग

शिविरों में प्राप्त सभी आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण किया जाएगा। प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन की स्थिति की जानकारी देना अनिवार्य होगा। साथ ही पूरे अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी, शिविरों के बाद समीक्षा बैठकें होंगी और वरिष्ठ अधिकारी फील्ड विजिट कर योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे। इस अभियान के माध्यम से लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण होगा और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। यह पहल -सरकार आपके द्वार- की अवधारणा को साकार करती है, जिसमें प्रशासन स्वयं जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करता है।

जनगणना 2027 : प्रथम चरण 01 से 30 मई तक मकान सूचीकरण और गणना का कार्य

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 का प्रथम चरण 01 मई से 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा, जिसमें प्रगणक घर-घर जाकर 33 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करेंगे। जिले में 1542 HLB और 1495 प्रगणक तैनात 7 जिले में कुल 11 नगरीय निकाय और 09 तहसीलों को मिलाकर 20 चार्ज बनाए गए हैं। इसके अंतर्गत 1542 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक तैयार किए गए हैं। कार्य के लिए 1495 प्रगणक और 263 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। प्रत्येक 6 प्रगणकों पर एक पर्यवेक्षक तैनात रहेगा।

डिजिटल माध्यम से होगी जनगणना

इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। प्रगणक मोबाइल ऐप के जरिए डेटा संकलन करेंगे और सभी कार्यों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। इससे डेटा अधिक सटीक और समय पर उपलब्ध होगा, साथ ही नागरिकों की गोपनीयता भी पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएगी।

जनगणना का महत्व और उद्देश्य

कलेक्टर ने बताया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं है, बल्कि यह देश के विकास की आधारशिला है। इसके आधार पर स्कूल, अस्पताल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की योजना बनाई जाती है। जनगणना का द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा, जिसमें जनसंख्या की गणना की जाएगी।जनगणना के सफल संचालन के लिए जिले में फ्लेक्स, पोस्टर, पाम्पलेट, एलईडी डिस्प्ले, केबल नेटवर्क और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। साथ ही प्रगणकों एवं अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है।

नागरिकों से सहयोग की अपील

कलेक्टर ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे प्रगणकों को सही एवं स्पष्ट जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है 7 प्रेस वार्ता के अंत में कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार और जनगणना जैसे अभियान प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ विकास को नई दिशा देंगे। इस अवसर पर बेमेतरा जिला पंचायत सीईओ प्रेम लता पदमाकर ने बीते साल शिविर में प्राप्त आवेदनों की संख्या तथा निराकरण किया गया संख्या के संबंध में जानकारी दी गई

केन्द्रीकृत परीक्षा सत्र 2026 का 5वीं तथा 8 वीं परीक्षा का परिणाम घोषित

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला बेमेतरा (छ.ग.)

1	2	3	4	5	6	7	8
बेमेतरा	4454	4650	4388	4434	98.5	95.70	
बेरला	3533	3599	3440	3509	98.25	95.12	
नवागढ़	3704	3715	3652	3562	98.67	95.57	
साजा	4658	4444	4550	4223	97.68	95.02	
कुल योग	16319	16478	16082	15828	98.57	96.11	

बेमेतरा। केन्द्रीकृत परीक्षा सत्र 2026 का कक्षा 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम आज दिनांक 30.04.2026 को घोषित किया गया। शिक्षा जिला बेमेतरा में कक्षा 8वीं में कुल 16478 विद्यार्थी में कुल 15828 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए परीक्षा परिणाम 96.11 प्रतिशत रहा तथा कक्षा 5वीं में कुल 16319 विद्यार्थी में कुल 16082 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जिसका परीक्षा परिणाम 98.57 प्रतिशत रहा है। इस अवसर पर जी.आर. चतुर्वेदी, जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा, एस.पी. कोशले, सहायक संचालक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा, नकुल प्रसाद पनागर, जिला मिशन समन्वयक, मती कामिनी महिलांग विकासखंड शिक्षा बेमेतरा, जयप्रकाश करमाकर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बेरला, हितेन्द्र कुमार बंजारे, विकासखंड शिक्षा अधिकारी नवागढ़, निलेश कुमार चन्द्रवंशी विकासखंड शिक्षा अधिकारी साजा तथा चेतन दास बंजारे, सहायक ग्रेड 02 कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतर, जितेन्द्र प्रकाश गोयल कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं कार्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। परीक्षा परिणाम संबंधी जानकारी कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी बेमेतरा, बेरला, नवागढ़, साजा जिला बेमेतरा से प्राप्त किया जा सकता है।

गौ सुरक्षा को लेकर किया जा रहे आंदोलन को आशीष छाबड़ा ने दिया समर्थन

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा जनपद सदस्य दीपक दिनकर द्वारा गौ माता की सुरक्षा एवं उनके रखरखाव तथा खानपान के लिए व्यवस्था बनाए जाने को लेकर किए जा रहे धरना प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से समर्थन व्यक्त किया और इस आंदोलन में कंधा से कंधा मिलाकर साथ देने का भरोसा दिलाया है इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि हमारे सनातन धर्म में गौ माता सदा से पुज्यनीय रही है भाजपा वाले हिंदुत्व की आड़ में हमेशा से लोगों को मूर्ख बनाने का काम करते रहे हैं गौ माता की सुरक्षा एवं उसके खान-पान की व्यवस्था पूर्व में कांग्रेस सरकार के द्वारा सभी गांव में गौठान प्रारंभ करके और गोबर खरीदी के माध्यम से गांव पालको को समृद्ध करने का काम करती रही किंतु जैसे ही भाजपा शासन में आई है आज गौ माता की स्थिति बहुत ही दयनीय हो चुकी है गोबर खरीदी बंद कर दी गई है जिससे गौपालक अपनी गायों को खुला छोड़ दिए हैं आज उनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है गौ वंश की गाय एवं बछड़े किसानों की खड़ी फसलों को नष्ट कर रहे हैं और उससे बचाने के लिए गांव वाले उन्हें खेतों से निकाल रहे हैं विगत वर्ष ऐसा ही कुछ बेमेतरा विकासखंड के झिरिया ग्राम के पास हजारों गायों को बिना भोजन पानी के बांधकर रख दिया गया था भूखे प्यासे हजारों गायों की मौत हो गई थी तब प्रशासन के द्वारा गायों की रक्षा हेतु पर्याप्त व्यवस्था करने की बात कही गई थी किंतु आज साल भर होने जा रहा है कोई व्यवस्था नहीं की गई है, और ना ही कभी बीजेपी का प्रतिनिधि कभी गौवंश की शुध लेने गए आज भी गए सड़कों पर दुर्घटनाग्रस्त होकर मृत्यु देखने को मिल रही है भाजपा सरकार के कान में जू नहीं रेंग रही है भाजपा के जन् प्रतिनिधि केवल हिंदुत्व के नाम पर वोट लेना जानते हैं वास्तविक हिंदुत्व धर्म के पालन से ने कोई लेना-देना नहीं है इस अवसर पर ललित विश्वकर्मा प्रांजल तिवारी कविता साहू मिथिलेश वर्मा हरीश साहू शशि प्रभा गायकवाड राजू साहू रीता पांडे शकुंतला साहू रूबी सलूजा योगिता साहू हेमिन यादव दीपक दिनकर शुभम गंधर्व सनत धर दिवान सीताराम यादव टोकेश्वर साहू छोटे लाल साहू ऋषि वर्मा नारायण छाबड़ा रोमन वर्मा अनिल दुबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टी बी मुक्त भारत अभियान,100 दिवसीय अभियान गांव-गांव शहर - शहर

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम तहत टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत 100 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से उच्चोखिम लोगों का सभी विकासखण्ड में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर टी बी स्क्रीनिंग किया जा रहा है साथ में टी बी मुक्त भारत अभियान की जानकारी, टी बी के लक्षण, उपचार, बचाव की संपूर्ण जानकारी उच्चोखिम लोगों को साझा किया जा रहा है। इसी क्रम में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान तहत 29 अप्रैल को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम जिला बेमेतरा द्वारा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से साजा विकासखण्ड के हडुआ एवं सहसपुर में शिविर आयोजित कर उच्च जोखिम समूहों का पहचान किया गया इस उच्चजोखिम समूह से 188 लोगों का अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से निःशुल्क एक्स-रे किया गया, तथा 19 लोगों का जो संदेहास्पद था उनका स्पूटम अत्याधुनिक ट्रू - नाट मशीन से जांच हेतु सैंपल कलेक्शन कराया गया । इस टी बी मुक्त भारत अभियान शिविर में साजा विकासखण्ड के स्वास्थ्य विभाग से सभी स्टाफ मितानिन , द्वारा पूर्व से ही लोगों को टीबी मुक्त बेमेतरा जिला के अभियान की संपूर्ण जानकारी घर-घर सर्वे कर दी गई एवं जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया । उक्त शिविर में बीएमओ साजा ,जिला कार्यक्रम समन्वयक, बी पी एम,एस टी एस,,द्वारा पूरी जिम्मेदारी से शिविर में सहभागिता निभाई गई ,साथ में जिला चिकित्सालय बेमेतरा से रेडियोग्राफर जावेद मंसूरी, शेष नारायण टंडन द्वारा अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन ऑपरेट किया गया, ग्रामीण स्वास्थ संयोजक हडुआ एवं सहसपुर उच्च जोखिम ग्राम मितानिन एवं ग्रामीण जन अधिक संख्या में उत्साहित होकर उपस्थित रहें,शिविर में स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा कार्यों का सफल क्रियान्वयन किया गया ।

12वीं में बीपीएस की हिमानी का परचम कला संकाय में तहसील व शहर में अव्वल

डोंगरगांव नगर। मानव समाज कल्याण एवं शिक्षण समिति द्वारा संचालित भारतीय पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र छात्राओं ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में स्कूल का वर्चस्व कायम रखते हुये पूरे शहर में अपना परचम लहराया है। बीपीएस के विद्यार्थी ने कक्षा 12वीं कला संकाय में शहर में ही नहीं अपितु पूरे तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य सुनील कुमार पाण्डेय् से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष कक्षा 10वीं में कुल 98 परीक्षार्थी शामिल हुये। जिसमें से 95 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये। परीक्षा परिणाम 97 फीसदी रहा। प्रथम श्रेणी में 75 द्वितीय श्रेणी में 18 एवं तृतीय श्रेणी में 02 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये। कक्षा में प्रथम स्थान पर हर्षिता साहू 90.5 फीसदी, द्वितीय पूजा पटेल 90.33 फीसदी, तृतीय लीसा साहू 89.83 फीसदी रहे। चतुर्थ डिगेश्वर देवांगन 89 फीसदी, पंचम् गीतांजली 88.5 फीसदी रही। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में गणित संकाय में 12, जीवविज्ञान में 32 एवं कृषि संकाय में 12 एवं कला में 20 कुल 76 परीक्षार्थी थे। 76 परीक्षार्थी शामिल हुये। 73 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये। परीक्षा परिणाम 96.05 फीसदी रहा।प्रथम श्रेणी में 57 द्वितीय श्रेणी में 15 तृतीय श्रेणी में 01 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये। कला, विज्ञान एवं कृषि तीनों संकायों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। संयुक्त तौर से कक्षा में प्रथम हिमानी रामटेके 91 फीसदी, द्वितीय स्नेहा राजपूत 90 फीसदी, तृतीय लक्की सोनकर 89.4 फीसदी रहे। चतुर्थ ज्योति साहू 88.6 फीसदी रही। पंचम् कु.सिमरन नेताम व वीणा साहू 87.8 फीसदी स्थान हासिल किया। उक्त जानकारी कार्यालय प्रभारी राजेन्द्र शर्मा ने दी।

12 वीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में दूसरे स्थान प्राप्त करने वाले छात्रा को शर्मा ने बधाई दी

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में बेमेतरा शहर के पिकरी निवासी, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा की मेधावी एवं प्रतिभाशाली छात्रा ओमनी वर्मा द्वारा 98.20 प्रतिशत अंक अर्जित किया इस पर रायपुर शहर जिला प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा बेमेतरा राजेन्द्र शर्मा ने विद्यालय जाकर उन्हें बधाई शुभकामनाए दिया इस अवसर पर प्राचार्य कविता बाजपेई ओमनी के पिता कमोद वर्मा उनकी माता एवं शिक्षक गण भी उपस्थित रहे। राजेन्द्र ने कहा कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे बेमेतरा जिला एवं नगर को गौरवान्वित किया है। राजेन्द्र शर्मा ने ओमनी वर्मा की सफलता को उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन, समर्पण एवं अटूट आत्मविश्वास का परिणाम बताया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने जिस लगन और दृढ़ निश्चय के साथ अध्ययन किया, वह आज के विद्यार्थियों के लिए एक आदर्श उदाहरण है। यह उपलब्धि यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे प्राप्त करने का जुनून हो, तो किसी भी बाधा को पार कर सफलता हासिल की जा सकती है। राजेन्द्र शर्मा ने विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक गण को कड़ी मेहनत कर परिणाम बेहतर लाने की प्रशंसा की । विद्यालय परिवार ने भी इस उपलब्धि को अपनी सामूहिक सफलता बताते हुए गर्व महसूस किया और कहा कि ओमनी वर्मा ने संस्था का नाम नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है । राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का मूल आधार होती है और ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी समाज के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता होते हैं। ओमनी वर्मा जैसी बेटियां न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज और प्रदेश का नाम रोशन करती हैं। उनकी सफलता से अन्य विद्यार्थियों में भी सकारात्मक ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का संचार होगा, जो उन्हें भी उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करेगा। राजेन्द्र शर्मा ने ओमनी वर्मा की इस अभूतपूर्व सफलता पर उन्हें, उनके माता-पिता एवं समस्त विद्यालय परिवार को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल, सफल एवं स्वर्णिम भविष्य की कामना की एवं आशा व्यक्त किया कि आगामी समय में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करें।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर शुरू

बेमेतरा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, बेमेतरा द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ 1 मई को प्रातः 7:30 बजे पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय शिवलाल राठी विद्यालय में किया जाएगा। जिले के विभिन्न खेल मैदानों में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को सुविधाजनक स्थानों पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में क्रिकेट, कराते, गतका, नेटबॉल, खो-खो, बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस जैसे खेलों का प्रशिक्षण अनुभवी व्यायाम शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में दिया जाएगा। क्रिकेट, कराते और टेबल टेनिस का प्रशिक्षण सेजेस राठी विद्यालय में, बैडमिंटन, गतका और नेटबॉल का स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में, जबकि कराते का प्रशिक्षण कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा, साजा एवं कृषि उपज मंडी मैदान में आयोजित होगा।

जिले का हाल बेहाल, विकास की थमी रफ्तार और अधूरा डामरीकरण से बढ़ी परेशानी

कवर्धा। कबीरधाम जिला इन दिनों विकास के दावों और जमीनी सच्चाई के बीच गहरे अंतर का उदाहरण बनता जा रहा है। जिले में नवीन सड़कों के निर्माण और खराब सड़कों के नवीनीकरण को लेकर बड़े पैमाने पर काम शुरू किए गए, लेकिन कई स्थानों पर स्थिति यह है कि सड़कों पर केवल गिट्टी डालकर कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। डामरीकरण की अंतिम परत समय पर नहीं चढ़ने से आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक, कई मार्गों पर असमतल सतह और ढीली गिट्टी के कारण धूल का गुबार दिनभर उड़ता रहता है। दोपहिया वाहन चालक फिसलन और संतुलन बिगड़ने के जोखिम में सफर करने को मजबूर हैं। चारपहिया वाहनों के टायर और सस्पेंशन पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। बाजार क्षेत्रों में व्यापार प्रभावित हो रहा है क्योंकि ग्राहक धूल और अव्यवस्था के कारण आवाजाही से बच रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहन बाधित मार्गों से गुजरने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। निर्माण एजेंसियों का तर्क है कि डामर की कीमतों में वृद्धि से परियोजनाओं की लागत बढ़ गई है, जिसके चलते कार्य की गति प्रभावित हुई है। हालांकि, प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन की दृष्टि से यह तर्क अधूरा प्रतीत होता है। यदि बाजार दरों में वृद्धि हुई थी तो परियोजनाओं के संशोधित प्राक्कलन और बजट पुनरीक्षण की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी। अधूरा कार्य छोड़ देने से न केवल सार्वजनिक धन का दुरुपयोग होता है, बल्कि पहले से खराब सड़कों की स्थिति और बिगड़ जाती है। गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आ रहे हैं। कई स्थानों पर गिट्टी डालने के बाद समुचित रोलर नहीं चलाया गया, जिससे सड़क की बुनियाद मजबूत नहीं हो पाई। लोगो का मानना है कि प्रारंभिक चरण में ही यदि तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया गया, तो भविष्य में सड़क की उम्र कम हो जाएगी और बार-बार मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा। यह स्थिति दीर्घकालिक योजना और टिकाऊ विकास की अवधारणा के विपरीत है। जिले में करोड़ों रुपये की लागत से स्वीकृत परियोजनाओं की पारदर्शिता और निगरानी को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। कार्य प्रगति रिपोर्ट, गुणवत्ता परीक्षण और समयसीमा पालन की जानकारी सार्वजनिक मंचों पर स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं है। ठेकेदारों की जवाबदेही तय करने और विलंब पर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। विकास केवल शिलान्यास और घोषणा तक सीमित नहीं रहना चाहिए। वास्तविक प्रगति तभी मानी जाएगी जब सड़कें समय पर, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित रूप में जनता को समर्पित हों। वर्तमान स्थिति में अधूरा डामरीकरण और बढ़ती लागत ने विकास की रफ्तार को थाम दिया है। यदि शीघ्र ही प्रभावी निरीक्षण, पारदर्शिता और जवाबदेही की ठोस व्यवस्था नहीं की गई, तो नवीन सड़कों का सपना कागजों तक सिमट कर रह जाएगा और जनता को धूल, जोखिम और असुविधा के बीच ही सफर करना पड़ेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ के सभी सीएचसी एवं पीएचसी में एचपीवी वैक्सीन का शुभारम्भ

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग नवागढ़ जिला बेमेतरा द्वारा सीएमएचओ डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में नवागढ़ बीएमओ डॉ. राहुल राज एवं बीपीएम सी के देवांगन के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में दिनांक 06 अप्रैल 2026 को एवम अधीनस्थ समस्त पीएचसी में दिनांक 29.अप्रैल 2026 से एचपीवी वैक्सीन टीकाकरण का शुभारंभ किया गया।भारत सरकार द्वारा सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) की रोकथाम के लिए 14 से 15 वर्ष के मध्य की बेटियां के लिए राष्ट्रव्यापी एच पी वी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है, जो पूरी तरह सुरक्षित है। यह टीका, जो 90% से अधिक कैंसर का कारण बनने वाले वायरस को रोकने में प्रभावी है, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ एवम अधीनस्थ पीएचसी के माध्यम से निःशुल्क लगाया जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर को खत्म करना और 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' को बढ़ावा देना। लक्ष्य समूह: 14 से 15 वर्ष की लड़कियां। प्रभावशीलता: यह टीका 93-100% तक प्रभावी है और एचपीवी के उच्च जोखिम वाले प्रकारों के कारण होने वाले कैंसर से बचाता है। सुरक्षा: टीका पूरी तरह सुरक्षित है और इसका व्यापक अध्ययन किया गया है। अभिभावकों के लिए संदेश: विशेषज्ञों का कहना है कि यह टीका बेटियों को भावी कैंसर से बचाने के लिए सुरक्षित और जरूरी है। यह अभियान दुनिया भर के 160 से अधिक देशों में शामिल होकर भारत में सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों को कम करने का एक बड़ा कदम है। स्वास्थ्य विभाग आम नागरिकों से अपील करता है कि अपने 14 से 15 वर्ष के मध्य आयु की बेटियो को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी वेक्सीन लगवाए, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ एवम सभी पीएचसी में प्रतिदिन निशुल्क लगाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com